नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 44 | नोएडा, शनिवार, 14 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार

‘मुस्कान के साथ दिन की शुरुआत करो, आधी सफलता तो यहीं मिल जाती है। ’



अच्छी खबर

‘पायलट भाभी’ कहता है पूरा गांव मोदी भी हुए मुरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं न घर की महिला अगर कुछ करने को ठान ले तो किसी भी कठिन चुनौती को आसान बना देती है। जी हां आज हम आपलोगों को एक ऐसी ही महिला की कहानी बताने जा रहे हैं जो कि अब पूरे गांव में पायलट भाभ% के रूप में फेमस हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस महिला की मुरीद हो गए हैं और खुद उन्होंने इसकी कहानी बताई। पीएम मोदी ने बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी के जरिए महिलाओं की सामाजिक हैसियत भी बदल रही है। एक निजी

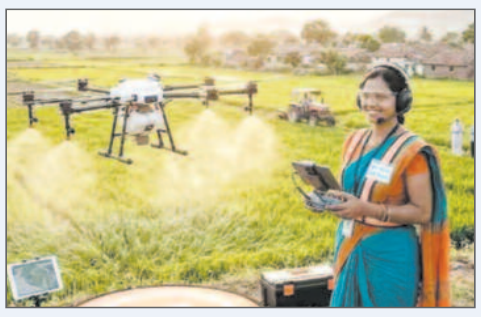

चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने पायलट भाभी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि खेती के कामों में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से महिलाओं का सम्मान कैसे बढ़ रहा है मैं इसका एक उदाहरण देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं झारखंड की एक ड्रोन दीदी से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे बताया कि उनका स्टेटस पूरी तरह बदल गया है। मैंने उनसे पूछा क्यों। उन्होंने कहा कि अब पूरा गांव उन्हें पायलट भाभी कहता है। यहां तक कि उनके देवर भी उन्हें पायलट भाभी कहते हैं।

पीएम मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बताया

पीएम नरेंद्र मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले लोग गांव में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर पूरी तरह से भरोसा नहीं जताते थे और कहते थे कि यह गांव में सफल नहीं हो पाएगा। लेकिन अब नमो ड्रोन दीदी स्कीम ने गांव की सोच पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इस पहल के तहत ट्रेंड महिलाएं कैसे फर्टिलाइजर और कीटनाशकों का स्प्रे करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं पीएम। पीएम मोदी ने कहा कि खेती में ड्रोन एप्लीकेशन का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है और महिलाएं इसमें और अधिक रुचि दिखा रही हैं। बता दें कि नवंबर 2023 में केंद्र सरकार ने 1261 करोड़ रुपये के खर्च के साथ नमो कृष्णा स्कॉब्स को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को 15000 खेती के लिए समर्पित करना था। इस पहल में गांव की महिलाओं को फर्टिल ब्रायन और पेस्टीसाइड स्पाइडर करने के लिए ब्रेकफास्ट की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे उन्हें और अधिक रोजगार मिलता है और खेती में सेवा देने वाली बनने में मदद मिलती है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने फिर खेला ‘खूनी’ खेल

2 कारों पर की अंधाधुंध फायरिंग, दो महिलाओं समेत 4 की मौत



इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने ये जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना इंफाल-उखरुल रोड पर ‘न्यू हेवन’ इलाके में हुई, जब हथियारबंद उग्रवादियों ने दो चार-पहिया वाहनों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि दोनों कारों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान साफ देखे जा सकते हैं।

संघर्ष में 306 लोगों की हो चुकी है मौत

मणिपुर में, मई 2023 में घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं इस संघर्ष में 49 लोग लापता और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। इधर, मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार को संदिग्ध उग्रवादियों के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में कुकी समुदाय की एक महिला की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठन ने जिले में 48 घंटे के पूर्ण बंद का आह्वान किया है।

पीएम ने सीएम का हाथ पकड़ मेट्रो को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के नए हिस्से का किया उद्घाटन

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के 7.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड हिस्से का उद्घाटन किया। यह हिस्सा कलेना अग्रहारा से एसजी पालया तक है। इसके शुरू होने के साथ ही बेंगलुरु का चालू मेट्रो



नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मेट्रो में सफर भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री शिवकुमार को अपने पास बुलाया और उनका हाथ पकड़कर अपने बगल में खड़ा किया। इसके बाद दोनों ने मिलकर मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

3470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ हिस्सा

पिंक लाइन का यह एलिवेटेड हिस्सा करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें छह स्टेशन शामिल हैं। ये कलेना अग्रहारा, हुलिमावु, बिलेकाहल्ली-आईआईएमबी, एनएस पालया-जेपी नगर चौथा चरण, जयादेवा अस्पताल और एसजी पालया हैं। यह कॉरिडोर बैनरघट्टा रोड के साथ बनाया गया है। जयादेवा अस्पताल स्टेशन पर यात्रियों को येलो लाइन के साथ इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। नए हिस्से पर मेट्रो सेवाएं शनिवार, 14 नवंबर से आम जनता के लिए शुरू होंगी। इससे बैनरघट्टा के लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलेगी।

घाटी में हत्या के बाद आतंकियों के पोस्टर जारी

30 लाख का ईनाम, हिजबुल कमांडर पर शक

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। किश्तवाड़ पुलिस ने शुक्रवार को तीन आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। इनमें मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन शामिल हैं। पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी



में मदद करने वाली सूचना देने वाले को कुल 30 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक, तीनों आतंकियों पर एसपीओ की हत्या में शामिल होने का आरोप है। आम लोगों से उनकी गतिविधियों और ठिकानों के बारे में जानकारी देने की अपील की गई है। सूचना देने के लिए 9797900958 और 1995357494 नंबर जारी किए गए हैं। पुलिस ने सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का भरोसा दिया है। किश्तवाड़ के दच्छन इलाके में दो एसपीओ लापता हो गए थे।

माइक्रोसॉफ्ट सिस्टम ठप, मच गया कोहराम

तीन फ्लाइट की गई रद्द, 2 लेट, यात्री रहे परेशान

ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस-पुलिस पर असर

शिकागो (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट में तकनीकी खराबी का असर भारत की हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली से उड़ान भरने वाली 3 फ्लाइट्स रद्द कर दीं, जबकि दरभंगा और मुंबई जाने वाली 2 फ्लाइट्स लेट हुईं। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग की बैंकिंग सेवाओं, ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस, जापान के सरकारी सिस्टम और फिलीपींस की अदालतों के कामकाज पर भी असर पड़ा है। दिल्ली एयरपोर्ट ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक करने को कहा गया है। इंडिगो और अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की जरूरी



ऑनलाइन सेवाएं करीब 15 घंटे से ठप हैं। ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने और क्लाउड पर फाइल सेव करने जैसे काम रुक गए हैं।

एयर इंडिया ने कहा- उड़ानों पर असर नहीं

एयर इंडिया ने बताया कि कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस में आई दिक्कत पर नजर रख रही है। फिलहाल उसकी फ्लाइट ऑपरेशन पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी के कम्युनिकेशन चैनल भी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों के ईमेल लगातार मिलते रहें, इसके लिए ईमेल ट्रैफिक को कुछ समय के लिए दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है। कंपनी अपने तय 24 घंटे के समय में ईमेल का जवाब दे रही है। अमेरिका के कई शहरों की सरकारों ने ईमेल से जुड़ी व्यापक समस्याओं की जानकारी दी और निवासियों को सलाह दी कि जरूरत पड़ने पर वे स्थानीय कार्यालयों से संपर्क करें।

पीएम फोन टेप करा रहे, मेरे मोबाइल में है सबूत

राहुल गांधी ने लगाया प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी का दावा है कि उनके फोन की टैपिंग कराई जा रही है। मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप पर लोकसभा में नेता विपक्ष ने अपने चैनल एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनके पास अपने सभी आरोपों को साबित करने के लिए सबूत मौजूद हैं और ये जानकारियां उनके फोन में भी हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरे सभी आरोपों के सबूत मेरे फोन में मौजूद हैं जिसे प्रधानमंत्री टैप करवा रहे हैं। मेरे फोन में ऐसी कई जानकारियां और सबूत हैं जो इन आरोपों को साबित कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आमने-सामने की बहस से यह भी साफ हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देशविरोधी गतिविधियों में शामिल है। राहुल गांधी के मुताबिक, उनके पास इस संबंध में कई अहम जानकारियां हैं जो उनके फोन में भी मौजूद हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आमने-सामने बैठकर बहस होती है तो कई ऐसे मुद्दों का खुलासा हो सकता है जिनके बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास ऐसे कई सबूत हैं जो उनके आरोपों को साबित कर सकते हैं। एक यूजर ने उनसे पूछा कि जब बीजेपी संसद में बहस के लिए तैयार है तो वह सार्वजनिक मंच पर बहस करने पर जोर क्यों दे रहे हैं।



भगवान कृष्ण पर टिप्पणी को लेकर छतरपुर में बवाल

यादव महासभा और धीरेंद्र शास्त्री के समर्थक आमने-सामने

धाम जाने वाली सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

छतरपुर (एजेंसी)। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कथित विवादित बयान के बाद छतरपुर में विरोध प्रदर्शन ने अब बड़ा रूप ले लिया है। यादव महासभा, ओबीसी महासभा और दामोदर यादव के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन का ऐलान करते हुए बागेश्वर धाम तक पैदल मार्च निकालने की बात कही है। इसे लेकर टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। यादव महासभा के लोग वहां जमा होने लगे हैं और दूसरी तरफ बागेश्वर बाबा के समर्थक भी वहां जमा हैं। उनके हाथों में भी लाठी-डंडे हैं। इतना ही नहीं, यादव महासभा के प्रदर्शनकारियों की ओर से बागेश्वर धाम पहुंचकर तालाबंदी करने की चेतावनी भी दी गई है। इसी ऐलान के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती है। शुक्रवार को छतरपुर के रेलवे स्टेशन ग्राउंड में बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग जुटे। इस प्रदर्शन में केवल यादव समुदाय ही नहीं, बल्कि अन्य



समाजों के लोग भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इसी के विरोध में वे आंदोलन कर रहे हैं।

रास्तों पर पुलिस का पहरा- प्रदर्शनकारियों के बागेश्वर धाम कूच करने के ऐलान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। छतरपुर एसपी रजत सकलेचा खुद भारी पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। धाम की ओर जाने वाले वाहनों की जांच के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा है। इसके अलावा दूसरे जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर छतरपुर में तैनात किया गया है।

अब समर्थक और प्रदर्शनकारी आमने-सामने

इस पूरे घटनाक्रम में अब एक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। एक तरफ रेलवे स्टेशन ग्राउंड में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा और दूसरे संगठनों के लोग बड़ी संख्या में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ बागेश्वर धाम जाने वाले रास्ते पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों की मौजूदगी भी बताई जा रही है। ऐसे में दोनों पक्षों के आमने-सामने आने की आशंका को देखते हुए पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। पुलिस की कोशिश है कि प्रदर्शनकारियों और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों के बीच किसी भी तरह का सीधा टकराव न हो। बागेश्वर धाम जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं रास्तों पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है।

राघोपुर-बिदुपुर 6 लेन पुल कहलाएगा ‘नीतिश सेतु’

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, 25 मिनट में होगा सफर पूरा



पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को बिहार आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसका नामकरण राज्य सरकार की ओर से नीतिश सेतु किया गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि नीतिश सेतु के शुभारंभ के साथ ही प्रधानमंत्री राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनोपयोगी और विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे।

पटना से वैशाली पहुंचने में 25 मिनट लगेंगे- करीब 9.76 किमी कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सड़क संपर्क को नई रफ्तार देगा। इसके चालू होने से पटना से वैशाली पहुंचने में महज 20 से 25 मिनट लगेंगे। अभी इस रूट पर महात्मा गांधी सेतु और दूसरे रास्तों के कारण लोगों को ट्रैफिक जाम और लंबी दूरी की परेशानी झेलनी पड़ती है। गंगा नदी पर पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर महासेतु की लंबाई 9.76 किमी है, लेकिन एप्रोच रोड समेत पूरी परियोजना बड़ी है।

कई जिले के लोगों की भी मुश्किलें होगी कम- कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा सेतु के शुरू होने से कई जिलों के लोगों को राहत मिलने की संभावना है। पटना और वैशाली के अलावा समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा जैसे जिलों के पटना आने-जाने वाले लोगों को भी वैकल्पिक और तेज रास्ता मिलेगा। जबकि गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव भी कम होगा।



दिल्ली में सुरक्षा का बड़ा

छठ पर चप्पे-चप्पे पर होगी पुलिस, 5000 कर्मी तैनात, दो इलाकों पर खास नजर

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। आगामी छठ पूजा समारोहों के लिए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि 15 और 16 नवंबर को होने वाले इन आयोजनों के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके तहत 5,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

पूर्वी, उत्तर पूर्वी और शाहदरा में विशेष ध्यान

सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से यमुना घाटों के आसपास मजबूत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, तालाबों और उन स्थानों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होने की उम्मीद है। पूर्वी, उत्तर पूर्वी और शाहदरा जिलों में विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए एकत्र होते हैं। पुलिस ने बताया कि इन जिलों में भीड़ प्रबंधन एक चुनौती हो सकता है। सभी जिला पुलिस उपायुक्तों ने छठ पूजा



आयोजकों के साथ बैठकें की हैं। इन बैठकों में स्थानीय समितियों के सदस्यों ने भी भाग लिया। सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सुरक्षा के विशेष इंतजाम

छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है। यमुना घाटों पर गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए विशेष टीमें तैनात होंगी। तालाबों के किनारे भी सुरक्षा घेरा मजबूत किया जाएगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग और प्रवेश-निकास द्वार बनाए जाएंगे। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया बल भी तैयार रहेंगे।

भीड़ प्रबंधन और समन्वय

जिला पुलिस उपायुक्तों ने आयोजकों के साथ मिलकर विस्तृत योजना बनाई है। इन बैठकों में श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने पर जोर दिया गया।

स्थानीय समितियों के सदस्यों ने भी अपने सुझाव दिए हैं। पुलिस और आयोजकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पूजा शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो।

केंद्र सरकार कैब रेंटल के नियमों में करने जा रही बड़ा बदलाव, ग्राहकों को मिलेंगे ज्यादा विकल्प

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में कैब रेंटल के नियमों में बदलाव करने का प्रस्ताव दिया है। इससे कैब रेंटल बिजनेस को खोलना और ऑपरेट करना आसान हो जाएगा। साथ ही, ग्राहकों की सुरक्षा में भी इजाफा होगा। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। कैब रेंटल के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक नया फ्रेमवर्क प्रस्तावित किया है जिसमें सरल प्रक्रियाओं के साथ-साथ बेहतर ग्राहक सहायता भी शामिल है। इससे कैब व्यवसाय में प्रवेश करना आसान हो जाएगा, जिससे ग्राहकों के पास चुनने के लिए अधिक विकल्प होंगे। नए फ्रेमवर्क के तहत ऑपरेटरों को बिना ड्राइवर या ड्राइवर के साथ कैब उपलब्ध कराने का विकल्प मिल सकता है। न्यूनतम फ्लीट की शर्त 50 से घटाकर 5 कर दी गई है, जिसमें हर परिचालन स्थल पर कम से कम 2 कैब होनी चाहिए। साथ ही, पांच पर्यटन शहरों में शाखाएं खोलने की अनिवार्यता को भी हटाया जा सकता है। मंत्रालय के अनुसार, 'पूरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में एक समान शुल्क पर मान्य एक ही लाइसेंस, अलग-अलग मुख्य और शाखा लाइसेंसों की जगह लेगा। संचालन के स्वीकृत स्थानों में हवाई अड्डे, स्टेशन और बस टर्मिनल शामिल हो सकते हैं। '

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग की छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का दिया भरोसा

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र की छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर छठ महापर्व की तैयारियों की जानकारी ली।इस अवसर पर समिति के प्रतिनिधियों ने मुनक नहर पर नवनिर्मित 11 किलोमीटर लंबे भव्य छठ घाट के लिए दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त किया।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ



घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी सहित श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर बातचीत की और उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के लिए सभी छठव्रती का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि सभी श्रद्धालु को सुविधा मिले, सभी परिवारों का पर्व आनंदमय हो और दिल्ली में छठ महापर्व की भव्यता नई ऊंचाइयों को छुए। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष दिल्ली में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 1,482 से अधिक छठ घाट तैयार किया गया है।

एससीओ के पहले सभ्यतागत संवाद मंच का प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पहले सभ्यतागत संवाद मंच (सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम) की मेजबानी भारत करने जा रहा है। इसका आयोजन 20 से 23 नवंबर तक दिल्ली के पुराना किला परिसर में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मंच का उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन में एससीओ के सभी 10 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ पर्यवेक्षक और संवाद साझेदार देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की



संभावना है। इस संवाद में पाकिस्तान सहित सभी सदस्य देशों को आमंत्रित किया गया है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारत मंडपम में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में इस आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंच का मुख्य उद्देश्य एससीओ सदस्य देशों के बीच साझा सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन सभ्यताओं, कला, साहित्य और ऐतिहासिक परंपराओं के माध्यम से आपसी सहयोग को बढ़ावा देना तथा जन-जन के बीच संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि इस मंच की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2025 में चीन के तियानजिन में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत की थी। प्रस्ताव का उद्देश्य सदस्य देशों को अपनी हजारों वर्ष पुरानी सभ्यताओं, सांस्कृतिक उपलब्धियों और ऐतिहासिक विरासत को साझा करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना था। बाद में संगठन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। शेखावत ने कहा कि इस संवाद में अब तक 15 देशों के प्रतिनिधि और संस्कृति मंत्री की तरफ से भाग लेने की पुष्टि की गयी है।

आसियान-भारत विकास एवं सहयोग रिपोर्ट जारी, आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। विकासशील देशों के लिए अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) के अंतर्गत कार्यरत आसियान-भारत केंद्र (एआईसी) ने आसियान-भारत विकास एवं सहयोग रिपोर्ट (एआईडीसीआर) के तीसरे संस्करण का विमोचन किया। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) राजदूत रुद्रेंद्र टंडन ने शुक्रवार को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित उच्चस्तरीय राजनयिक एवं नीतिगत संवाद के दौरान रिपोर्ट जारी की। 'वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मार्ग तलाशना और साझेदारियों को सुदृढ़ करना' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में भारत और आसियान देशों के बीच आर्थिक, रणनीतिक और विकासात्मक सहयोग को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। यह विमोचन 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से पहले काफी अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट जारी करते हुए राजदूत रुद्रेंद्र टंडन ने आरआईएस और आसियान-भारत केंद्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में प्रासंगिक है और भारत-आसियान साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उपयोगी नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करती है। उन्होंने भारत की एक्ट ईस्ट नीति में आसियान की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते हुए मजबूत, एकीकृत और समृद्ध आसियान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। टंडन ने समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत, दूरसंचार, ऊर्जा संपर्क और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को सहयोग के प्रमुख उभरते क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि भारत की स्वदेशी 4जी तकनीक, विद्युत ग्रिड एकीकरण और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का अनुभव आसियान देशों के आर्थिक एकीकरण और क्षेत्रीय मूल्य शृंखलाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली के विधायकों के वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण का पहला चरण शुरू

अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता हुए शामिल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों के प्रभावी संचालन के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यक है। समय पर किए गए चिकित्सकीय परीक्षण न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं कल्याण की रक्षा करते हैं, बल्कि सार्वजनिक सेवा की निरंतरता सुनिश्चित करने में भी सहायक होते हैं। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता संत परमानंद अस्पताल, कश्मीरी गेट में दिल्ली विधानसभा के वर्तमान सदस्यों के वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण के पहले चरण में शामिल हुए। यह पहल राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की मौजूदा स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आयोजित प्रक्रिया 12 नवंबर से प्रारंभ हुई है और 19 नवंबर तक जारी रहेगी।

इस कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार



तैयार की गई है कि निर्धारित अवधि के दौरान प्रतिदिन दस विधायकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। पहले दिन स्वास्थ्य परीक्षण कराने वाले सदस्यों में अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता तथा विधायक अजय महावर, सूर्य प्रकाश खत्री और संजीव झा शामिल हुए। पहले दिन सदस्यों की सहभागिता के साथ इस निर्धारित कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसका उद्देश्य जनप्रतिनिधियों के नियमित एवं समयबद्ध स्वास्थ्य परीक्षण को सुनिश्चित करना है। गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों में निवारक स्वास्थ्य देखभाल का विशेष महत्व है, क्योंकि यहां कामकाज की निरंतरता, विधायी जिम्मेदारियां और निर्णय लेने की प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच से ऐसी बीमारियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का शुरुआती चरण में पता लगाया जा सकता है, जो आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती हैं और जिनके इलाज में लंबा समय लग सकता है। समय पर बीमारी की पहचान और उचित चिकित्सा मिलने से अचानक होने वाली स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों और संस्थानों के कामकाज में आने वाली रुकावटों को कम किया जा सकता है। अध्यक्ष ने कहा कि स्वास्थ्य परीक्षण की एक व्यवस्थित व्यवस्था प्रशासनिक अनुशासन और सार्वजनिक जिम्मेदारियां निभाने वाले लोगों के स्वास्थ्य के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचित योजना के अंतर्गत मौजूदा कार्यालय ज्ञापनों एवं विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियमित रूप से आयोजित की जाने वाली प्रक्रिया है। गुप्ता ने स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत कोई नया अधिकार, रियायत अथवा विशेष सुविधा प्रदान नहीं की जा रही है। इसमें निर्धारित पात्रता संबंधी सभी शर्तें, प्रक्रियाएं और वित्तीय सीमाएं पूर्ववत लागू रहेंगी। विधानसभा अध्यक्ष ने आगे कहा कि इस पहल की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है कि दिल्ली विधानसभा के प्रत्येक वर्तमान सदस्य को, आयु की परवाह किए बिना, वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण के दायरे में लाया जा सके।

परिसीमन पर कांग्रेस का बयान देशविरोधी एजेंडा

ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन से यूपी में कोई फर्क नहीं पड़ेगा: प्रवीण खंडेलवाल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र और परिसीमन विधेयक, ओवैसी-चंद्रशेखर आजाद गठबंधन, पाकिस्तान से आतंकवाद रोकने की फारूक अब्दुल्ला की अपील सहित कई मुद्दों पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की बैठक पर प्रतिक्रिया दी। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने परिसीमन बिल पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर कांग्रेस के बयान पर कहा, 'जिस तरीके से देश में आबादी बढ़ती है और उससे जो लोग नए मतदाता बनते हैं, उनके लिए परिसीमन आवश्यक है। एक निश्चित अवधि के बाद परिसीमन लगातार होता आया है। इसलिए परिसीमन होने से देश के अधिकांश लोगों को लोकतंत्र में भाग लेने का अवसर मिलेगा। जो भी कांग्रेस या विपक्ष के लोग बोलते हैं, वे केवल उनका देशविरोधी एजेंडा है, जिसे किसी भी हालत में



स्वीकार नहीं किया जा सकता।' भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने पाकिस्तान को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के बयान पर कहा, 'अब फारूक अब्दुल्ला समय-समय पर बयान देते रहते हैं, लेकिन एक बात तय है कि भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता से कोई समझौता नहीं होगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार नहीं, अनेक बार कह चुके हैं। पहले पाकिस्तान अपने आप को सुधारे। पाकिस्तान इस बात का आश्वासन दे और फिर उसके बाद हमारा नेतृत्व तय करेगा कि पाकिस्तान के साथ कैसा व्यवहार करना है। ' एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के गठबंधन के ऐलान पर सांसद ने कहा, 'गठबंधन कोई भी बन जाए, लेकिन उत्तर प्रदेश में कोई असर नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आज उत्तर प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करती है। आने वाले चुनावों में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलेगा, इसमें कहीं कोई दो राय नहीं है। '

'यमुना में मरी मछलियां डालकर वीडियो बनाये'

कोई इतना नीचे कैसे गिर सकता है : मनजिंदर सिंह सिरसा

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करके अरविंद केजरीवाल को घेरा है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'राजनीति में इतना भी गिरा जा सकता है, ये कोई कल्पना नहीं कर सकता, जो केजरीवाल और उनके साथियों ने परसों किया है। भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने यमुना को 60 प्रतिशत तक साफ करने का रिकॉर्ड कायम किया। दिल्ली के लोग सोशल मीडिया पर इसकी वीडियो पोस्ट कर रहे थे। उनको (अरविंद केजरीवाल) इतनी पीड़ा हुई कि बाजार से मरी हुई मछलियां लेकर आए और यमुना में डालकर वीडियो बनाने लगे।' उन्होंने कहा, 'यहां पर छठ



मैया की पूजा होनी है। बहनें यहां आकर अर्घ्य देंगी। उसमें ये (अरविंद केजरीवाल) मरी मछलियां डाल रहे हैं। इससे बड़ा पाप क्या हो सकता है? दिल्ली वालों को बताना चाहता हूं कि कभी यमुना जी में सफेद मछलियां दिखी थीं। ये मरी हुई मछलियां कहां से आईं। आम आदमी पार्टी पर अब धब्बे लग रहे हैं कि दिल्ली के 60 प्रतिशत कूड़े के पहाड़ हट गए, 60 प्रतिशत यमुना जी साफ हो गईं। दिल्ली में प्रदूषण घटने लगा और बीते 10 वर्षों में सबसे साफ दिन हो गए और दीपावली के बाद इतने साफ और खुले दिन हैं। उनको ये बर्दाश्त नहीं हो रहा है। ' दिल्ली के मंत्री ने कहा, 'राजनीति में सीमाएं होती हैं, कोई इतना नीचे गिर जाएगा कि व्रत रखने वाली बहनों की भी चिंता नहीं है। आम आदमी पार्टी वही पार्टी है, जिसने यहां बोर्ड लगा दिए थे कि यमुना में आकर किसी ने छठ पूजा करने की कोशिश की तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। छठ पूजा करने वालों पर एफआईआर दर्ज करा दी थी। हमारी सरकार ने 60 प्रतिशत यमुना जी को साफ करने का एक नया कीर्तिमान हासिल किया है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता अच्छे हैं, आम आदमी पार्टी के नेता ही गंदे हैं। ' मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं कि जब 'आप' नेता ऐसा पाप करें तो उनको रोको। इसमें पूर्वांचल के भाई लोग भी हैं, उनको ऐसा नहीं करना चाहिए। '

शिक्षा मंत्री ने केंद्रीय विद्यालय संगठन की तीन डिजिटल पहल शुरू कीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में एक कदम उठाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) की तीन प्रमुख डिजिटल पहलों का उद्घाटन किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन पहलों में एआई-युक्त 'विद्या समीक्षा केंद्र' (वीएसके), जिसमें 'समीक्षा' एआई बॉट शामिल है– 'केवीएस संवाद' पैरेंट कनेक्ट ऐप और वेब पोर्टल, तथा 'केवीएस एलुमनाई कनेक्ट' पोर्टल शामिल हैं।

आम आदमी पार्टी का दावा- 'दिल्ली सरकार ने वासुदेव घाट पर बनाई नकली यमुना'

भाजपा ने लगाया अफवाह फैलाने का आरोप

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। छठ पर्व के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर 'नकली यमुना' बनाने का आरोप लगाया है। पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार ने वासुदेव घाट पर 'नकली यमुना' को पानी देने के लिए जमीन के नीचे पीने के पानी की पाइपलाइन लगाई है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'नकली यमुना फिर से। इस साल भी भाजपा सरकार ने वासुदेव घाट पर 'नकली यमुना'



को पानी देने के लिए जमीन के नीचे पीने का पानी की पाइपलाइन लगाई है।' सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'पिछले साल भाजपा की दिल्ली सरकार ने यमुना साफ होने का झूठा दावा करने के लिए 'नकली यमुना' बनाई थी। जब हमने उन्हें बेनकाब किया, तो यह पूरे देश के लिए शर्म की बात बन गई। इस साल भी सरकार झूठा दावा कर रही थी कि उन्होंने यमुना साफ कर दी है। फिर उन्हें पीने का पानी क्यों चाहिए, वह भी जमीन के नीचे छिपी पाइप से? ' इस वीडियो को शेयर करते हुए आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से पोस्ट किया, 'भाजपा सरकार झूठ और दिखावे की राजनीति में इस हद तक उतर आएगी, शायद ही किसी ने सोचा होगा। पिछले साल छठ महापर्व पर यमुना साफ होने का झूठा दावा करने के लिए नकली घाट बनाया गया था। जब भाजपा की पोल खुली तो पूरे देश के सामने शर्मिंदगी उठानी पड़ी। लेकिन इस साल भी सबक लेने के बजाय वासुदेव घाट पर फिर वही खेल दोहराया जा रहा है। '

पार्टी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'इस बार घाट में पानी पहुंचाने के लिए जमीन के नीचे पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाई गई है। जब यमुना साफ है, तो फिर जमीन के नीचे पाइपलाइन बिछाने की जरूरत क्यों पड़ी? ' उधर, भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। दिल्ली भाजपा ने 'एक्स' पर एक और वीडियो शेयर किया। साथ ही, पोस्ट में लिखा, 'केजरीवाल जी और कितना नीचे गिरोगे? 2 साल के अंदर ही आधे से अधिक यमुना साफ क्या हुई आपिए बौखला कर देखिए क्या अफवाह फैला रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

खाताधारकों की समस्याएं 27 को सुलझेंगी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम 27 नवंबर को होगा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के इस कार्यक्रम में पीएफ खाताधारकों की समस्याओं का निदान किया जाएगा। हर माह की 27 तारीख को इस कार्यक्रम का आयोजन होता है। यदि 27 तारीख को अवकाश होता है तो उससे अगले कार्यदिवस में इस आयोजन किया जाता है। ईपीएफओ के अनुसार कार्यक्रम के लिए जगह का चुनाव जल्द कर लिया जाएगा।

नई सीरीज यूपी16जीबी जारी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। निजी वाहनों की नई सीरीज यूपी16जीबी गुरुवार को जारी हो गई। सीरीज के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार से परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकरण शुरू होंगे। वहीं, सीरीज के सामान्य पसंदीदा नंबर बुक करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें दोपहिया वाहन के सामान्य पसंदीदा नंबर पसंदीदा नंबर के लिए एक हजार रुपये और चार पहिया वाहन के नंबर के लिए पांच हजार रुपये शुल्क निर्धारित है।

भूजल दोहन की प्रशासन से शिकायत

अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-151 एवं सेक्टर-153 में निजी बिल्डरों पर भूजल दोहन का आरोप लगाया है। करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने जिलाधिकारी को संबोधित पत्र एडीएम प्रियंका सिंह को सौंपा। चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि बिल्डर की परियोजनाओं में पिछले लगभग तीन वर्षों से लगातार भूजल निकाला जा रहा है। आरोप है कि बड़ी मात्रा में पीने योग्य भूजल को खुले नालों में बहाया जा रहा है। इसके कारण सेक्टर-151 एवं 153 के नालों और ग्रीन बेल्ट में पानी भरा हुआ है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भूजल के अनियंत्रित दोहन और जलभराव के कारण ग्रीन बेल्ट में लगाए गए हजारों पेड़ नष्ट हो गए हैं।

धोखाधड़ी मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

अनप्लग इंडिया

नोएडा। अदालत ने धोखाधड़ी और धमकी के मामले के आरोपी किरायेदार अमित जॉनी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। नोएडा के सेक्टर-24 थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। वादी अमित पाठक ने 16 सितंबर 2026 को मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित के मुताबिक सेक्टर-35 में उनकी एक संपत्ति है। वर्ष 2024 में उन्होंने यह संपत्ति पंजीकृत लीज एग्रीमेंट के जरिए अमित जॉनी को किराये पर दी थी। वादी ने 16 अगस्त 2026 को टर्मिनेशन नोटिस देकर 16 अक्तूबर तक संपत्ति खाली करने को कहा था। आरोपी ने सहमति नहीं दी, बल्कि एक अन्य व्यक्ति मनोज के साथ मिलकर संपत्ति की खरीद-फरोख्त के झूठे दस्तावेज तैयार किए। व्हाट्सऐप संदेश के जरिए झूठे दावे किए गए, उन्हें और उनके परिजनों को संपत्ति में घुसने से रोका गया और धमकी दी गई। लीज की शर्तों के उल्लंघन और संपत्ति के अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग के आरोप भी लगाए गए। अदालत ने आरोपी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी।

विदेशी मूल की पुत्रवधू पर छवि धूमिल करने का आरोप, मुकदमा

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-78 निवासी बुजुर्ग महिला ने स्वर्गीय बेटे की उज्बेकिस्तान मूल की बहू पर छवि धूमिल करने, घर में जबरन घुसने का प्रयास और परेशान करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने उसके खिलाफ कोर्ट के आदेश पर सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। अंतरिक्ष गोल्फ व्यू सोसाइटी निवासी अर्चना टंडन न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया कि उनके पुत्र रिषभ टंडन ने एक जून 2023 को उज्बेकिस्तान मूल की रहने वाली उलेसिया नीडोबेगोवा से विवाह किया था। रिषभ पेशे से चार्टेड अकाउंटेंट था। वह मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रहता था। उनकी बहू खुद को उज्बेकिस्तान में राजनेता के रूप में प्रस्तुत करती है। रिषभ की 22 अक्तूबर 2025 को कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई थी। आरोप है कि पुत्र की मौत के बाद उनकी पुत्रवधू उलेसिया अब उन्हें परेशान कर रही है। उनकी फिशिंग मेल आईडी बनाकर झूठे ई-मेल कर रही है। सोशल मीडिया पर एआई से फोटो बनाकर बदनाम करने का प्रयास कर रही है। इसका विरोध करने पर धमकी दे रही है, जबकि उलेसिया का वीजा 10 दिसंबर 2025 तक समाप्त हो चुका है। आरोप है कि वह भारत में अवैध तरीके से रह रही है। उनके घर में उलेसिया जबरन घुसपैठ का प्रयास कर रही है। पीड़िता ने आरोपी से अपनी जान को खतरा होना बताया है। पीड़िता का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने पूर्व में पुलिस को शिकायती पत्र दिए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके चलते उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा और ग्रेनो की हवा और दमघोंटू हुई

अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में गुरुवार को वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ गया। प्रदूषित कणों के कारण दिनभर स्मॉग बना रहा। शाम को हालत और भी बदतर हो गई। आसमान भी धुंधला दिखने लगा। लगातार वायु प्रदूषण से सांस रोगियों की संख्या में भी इजाफा हुआ। नोएडा का एक्यूआई गुरुवार को 311 दर्ज किया गया, जो बुधवार के मुकाबले 23 अंक अधिक रहा। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 291 तक पहुंच गया। एक दिन पहले यह 257 था। सुबह और शाम को अधिक वायु प्रदूषण रहा। प्रदूषित कणों के कारण दृश्यता कम होने के साथ ही आसमान भी धुंधला दिखने लगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का सबसे वायु प्रदूषित स्थान सेक्टर-62 रहा। यहां का एक्यूआई 418 दर्ज किया गया। यह नवंबर में सबसे प्रदूषित स्थान रहा है। यहां सात दिन एक्यूआई 400 के पार रहा है। पीएम 10 का अधिकतम स्तर 493 दर्ज किया गया। पीएम 2.5 भी 350 से अधिक रहा। आन वाले दिनों में इसी तरह की स्थिति रहने की आशंका है।

ग्रैप-3 के निदेर्शों और बिना प्रदूषण जांच ईंधन नहीं देने के लिए जागरुक किया

अनप्लग इंडिया

नोएडा। जिले में बिना प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र पेट्रोल-डीजल नहीं देने और ग्रैप-3 के निदेर्शों के पालन को लेकर बुधवार एवं गुरुवार को परिवहन विभाग ने पेट्रोल पंपों पर जांच और जागरुकता अभियान चलाया। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ.उदित नारायण पांडे ने पेट्रोल पंप संचालकों और कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर उन्हें शासन की नो पीयूसी, नो फ्यूल नीति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंप संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे किसी भी ऐसे वाहन को ईंधन उपलब्ध न कराएं, जिसके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र नहीं है। इसके अलावा ग्रैप-3 के अंतर्गत बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की जांच कर उनके विरुद्ध चालान और जुमार्ने की कार्रवाई की गई। बिना ढके रेत, मिट्टी, ईंट या अन्य निर्माण सामग्री ले जाने वाले मालवाहक वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और नियम तोड़ने वालों को सीज-चालान किया गया। साथ ही निर्धारित क्षमता से अधिक सामान ढोने वाले व्यावसायिक वाहनों के चालान किए गए।

जिले के 249 पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाने की तैयारी शुरू

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पेट्रोल पंपों पर ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाने का काम जल्द शुरू होगा। परिवहन विभाग की ओर से गोदवरी एजेंसी को कैमरा लगाने का काम सौंपा गया है। गुरुग्राम के 249 पेट्रोल पंपों पर पहले चरण में कैमरे लगाए जाएंगे। पुराने वाहनों की पहचान और कार्रवाई एएनपीआर कैमरे से पंपों पर पुराने वाहनों की पहचान कर कार्रवाई होगी। गुरुग्राम जिले में 330 पेट्रोल पंप है। पंपों पर 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों और 10 साल से पुराने डीजल वाहनों (एंड-ऑफ-लाइफ व्हीकल) तथा बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी) वाले वाहनों की पहचान करना और उन्हें ईंधन देने पर रोक लगाना है। जिला परिवहन विभाग के



अनुसार पहले चरण में 249 पंपों पर नवंबर माह से कैमरे लगाने का काम एजेंसी शुरू करेगी। कंपनी ने मांगी पेट्रोल पंपों की सूची: कैमरा लगाने वाली एजेंसी के अधिकारियों ने परिवहन विभाग से संपर्क किया है। विभाग से पहले चरण में किन पंपों पर कैमरे लगाए जाने है इसकी सूची मांगी है। जिससे पंपों पर कैमरे का लगाने का काम शुरू किया जा सके। विभाग की ओर से खाद्य आपूर्ति नियंत्रक विभाग से सभी पंपों की सूची देने को कहा गया है। जिससे एजेंसी कैमरे लगाने का काम शुरू कर सके। कैमरे लगाने की प्रक्रिया और खर्च कैमरे लगाने के बाद पंपों पर जैसे ही कोई वाहन ईंधन भरवाने पहुंचेगा, कैमरा नंबर प्लेट स्कैन करेगा और वाहन के डेटाबेस से मिलान करके पंपकर्मी को सूचित करेगा कि वाहन तय सीमा पार कर चुका है या नहीं।

पहले चरण में गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और झज्जर में कुल 775 एएनपीआर कैमरे स्थापित किए जाएंगे, जिन पर लगभग 41 करोड़ 74 लाख रुपये खर्च होंगे। 30 सितंबर तक कैमरे लगाए जाने थे। टेंडर प्रक्रिया में देरी के कारण पंपों पर नहीं लग सके। गुरुग्राम में काम जल्द शुरू होगा गुरुग्राम में पहले चरण में 249 पंपों पर एएनपीआर कैमरे लगाने का काम इसी माह से शुरू हो जाएगा। एजेंसी ने पंपों की सूची मांगी है। खाद्य आपूर्ति विभाग को पंपों की सूची देने के निर्देश दिया है। सूची मिलने के बाद एजेंसी कैमरे लगाने का कार्य शुरू कर देगी।

कारोबारियों ने जीएसटी जमा करने में अपने ही रिकार्ड को तोड़ा

अनप्लग इंडिया

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर ने अक्तूबर में रिकार्ड 1432 करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी राजस्व जमा करके प्रदेश में एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया है। जिले के जीएसटी संग्रह में यह 43.15 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है जिसने इसे प्रदेश के सभी जोन में शीर्ष पर बनाए रखा है। 926.29 करोड़ रुपये राजस्व के साथ लखनऊ दूसरे नंबर पर है। राज्य जीएसटी विभाग गौतमबुद्ध नगर से मिली जानकारी के मुताबिक जिले के कारोबारियों ने अक्तूबर महीने में 1432.47 करोड़ रुपये जीएसटी राशि जमा की है। पिछले वर्ष इसी माह में 1000.71 करोड़ रुपये जीएसटी जमा हुआ था। उत्तर प्रदेश में अक्तूबर 2026 में 7670.34 करोड़ रुपये जीएसटी जमा हुआ है। वहीं, बीते साल इसी माह में 62.02.24 करोड़ रुपये जीएसटी कारोबारियों ने जमा किया था। ऐसे में प्रदेश में बीते साल अक्तूबर के मुकाबले इस वर्ष इस माह में 15.71 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के सभी जोन की तुलना में गौतमबुद्ध नगर जोन ने सबसे अधिक जीएसटी राजस्व जुटाकर पहला स्थान बरकरार रखा है। अक्तूबर से पहले सितंबर महीने में भी जिले का कर संग्रह प्रदर्शन काफी मजबूत रहा था। विभाग के अनुसार गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जहां नई कंपनियों के पंजीकरण और औद्योगिक गतिविधियों में लगातार इजाफा हो रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन कर प्रणाली और डाटा विश्लेषण की मदद से कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण लगा है, जिससे राजस्व संग्रह में तेजी आई है। अपर आयुक्त राज्यकर ग्रेड वन गौतमबुद्ध नगर जोन नोएडा परीक्षित खटाना ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर जीएसटी राजस्व में लगातार कीर्तिमान बना रहा है। कारोबारियों को विभाग की ओर से लगातार जीएसटी में पंजीकरण के फायदे और पारदर्शिता के साथ कारोबार करने के लिए जागरुक किया जा रहा है।

छठ पूजा पर घाटों और पूजा स्थलों पर तैनात रहेगी पुलिस

अनप्लग इंडिया

नोएडा। छठ पूजा पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। पूजा स्थलों और घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था संभालने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की निगरानी रहेगी, ताकि पर्व के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो। समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर सेंट्रल नोएडा जोन के डीसीपी डॉ. प्रवीन रंजन सिंह और एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने एसीपी और सभी थाना प्रभारियों के साथ गुरुवार को समीक्षा बैठक की। इसमें छठ पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, घाटों पर पुलिस प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात संचालन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सभी एसीपी और थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र के छठ पूजा स्थलों और घाटों का दौरा करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि आयोजकों और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर सुरक्षा और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का पहले ही जायजा लें। जहां भी कमी मिले, उसे समय रहते दूर कराया जाए। पुलिस अधिकारियों को घाटों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ यातायात को सुचारू रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा असामाजिक और शरारती तत्वों पर नजर रखी जाएगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, छठ पूजा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी थाना क्षेत्रों में आपसी समन्वय के साथ सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी।

मिलेनियम सिटी में चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत

अनप्लग इंडिया

नोएडा। मिलेनियम सिटी में लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई, पानी भरने और बाजारों में पूजन सामग्री की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं, कई बहुमंजिला सोसाइटियों के स्वीमिंग पूल में छठ पूजा की तैयारी की जा रही है। छठ घाटों पर व्यवस्थाओं की तैयारी



शहर में 22 प्रमुख छठ घाटों की साफ सफाई से लेकर पानी करने के लिए लेकर नगर निगम टीमों की सूची जारी की है। इसमें संयुक्त आयुक्त की निगरानी में कार्यकारी अभियंता छठ घाट पर व्यवस्था देखेंगे। इसमें निगम के छह संयुक्त आयुक्त, दो कार्यकारी अभियंता और छह सफाई निरीक्षक और सहायक सफाई निरीक्षक शामिल है। पुलिस आयुक्त को घाटों की सूची दी प्रवासी एकता मंच गुरुग्राम के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने शहर के सभी प्रमुख घाटों पर पुलिस व्यवस्था और एमसीजी की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सूची सौंपी। उन्होंने गुरुग्राम के सभी प्रमुख छठ घाटों पर पुलिस तैनाती के संबंध में पुलिस आयुक्त सिबाश कविराज से मुलाकात की। उन्हें सभी प्रमुख घाटों की सूची सौंपी, जिसमें वहां जुटने वाली संभावित भीड़ का विवरण भी शामिल था। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी घाटों पर पुलिस की व्यवस्था रहेगी। घाट निरीक्षण और बाजारों में खरीदारी विधायक ने निमार्णाधीन छठ घाट का निरीक्षण किया: शहर विधायक मुकेश शर्मा ने श्रीशीतला माता मंदिर पार्किंग परिसर में निमार्णाधीन छठ पूजा घाट का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर आयोजक समिति के सदस्यों से चर्चा की और आश्वस्त किया कि छठ महापर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएंगी। शीतला माता भव्य छठ पूजा महोत्सव-2026 का आयोजन 15 और 16 नवंबर को पाटलिपुत्र सांस्कृतिक चेतना समिति द्वारा किया जा रहा है। इस महोत्सव में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। खरीदारी को लेकर बाजारों में रौनकः शहर के बाजारों में छठ पूजा को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। विभिन्न बाजारों में खरीदारी के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है। पिछले साल से इस बार पूजा सामाग्री 20 प्रतिशत महंगा है। इसके बाद भी बाजार में सूखा नारियल, सूप, टोकरा समेत पूजा सामाग्री खरीद शुरू हो गई है। नए गुरुग्राम के बहुमंजिला सोसाइटियों में बने स्वीमिंग पूल में छठ पूजा की तैयारी शुरू हो गई है। इसमें सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप येलो सोसाइटी, सेक्टर-81 के विपुल, सन सिटी समेत अन्य सोसाइटी शामिल है। इसको लेकर सोसाइटी वासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। छठ महापर्व की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सभी कार्यकर्ता और निवासी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। ट्यूलिप येलो सोसाइटी में 450 परिवार यहां रह रहे हैं। ऐसे में पहली बार छठ पूजा का आयोजन होगा।

बिजली बकाया वसूली के लिए अभियान चलेगा

अनप्लग इंडिया

नोएडा। जिले में बिजली बकाया वसूली के लिए बड़ा अभियान चलाया जाएगा। विद्युत निगम के एक लाख ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन पर दस हजार से अधिक का बिल बकाया है। ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत निगम ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इन उपभोक्ताओं को नोटिस भेजकर एक से दो सप्ताह में बिल जमा करने की हिदायत दी जा रही है। इसके बाद पुलिस के सहयोग से कनेक्शन काटने का अभियान चलाया जाएगा। इन एक लाख बकायेदारों में 10 हजार ऐसे उपभोक्ता भी हैं, जिन्होंने पिछले छह महीने में एक बार भी बिजली का बिल जमा नहीं किया है। विभाग की ओर से इन उपभोक्ताओं को एक हफ्ते में बिल जमा करने की हिदायत दी गई। तय समय में बिल जमा नहीं करने वालों के खिलाफ कनेक्शन काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार सबसे ज्यादा देहात क्षेत्र में बकायेदार हैं। इन उपभोक्ताओं पर पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की जाएगी। इनमें कुछ ऐसे उपभोक्ता शामिल है, जिन्होंने कनेक्शन



जारी होने के बाद से लेकर अभी तक एक बार भी बिल जमा नहीं किया है। इसमें एक वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के उपभोक्ता शामिल है। ऐसे कनेक्शनों को स्थायी रूप से बंद किया जाएगा। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार चार वर्ष पहले हर घर में रोशनी के तहत सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन दिए गए थे। योजना के तहत उपभोक्ताओं के मीटर लगाने के साथ ही केबल और एमसीबी भी लगाई गई। योजना के तहत 15 हजार से अधिक कनेक्शन दिए गए थे। इनमें हजारों उपभोक्ताओं ने एक बार भी बिल जमा नहीं किया है। इसके अलावा सामान्य प्रक्रिया के तहत जारी किए गए कनेक्शनों में तीन हजार उपभोक्ताओं ने भी अभी तक बिल जमा नहीं किया है। इन उपभोक्ताओं पर निगम का सौ करोड़ रुपये से अधिक का बिल बकाया है। कनेक्शन जारी होने के बाद से बिजली बिल जमा कराने के लिए स्थानीय स्तर पर वसूली के लिए विशेष प्रयास नहीं किए गए। बिल जमा कराने के लिए लगातार प्रयास जारी रहते तो उपभोक्ताओं की कम होती। बकायेदारों में ऐसे भी उपभोक्ता शामिल है, जिनका कनेक्शन करीब दस से 20 वर्ष पहले जारी किया गया था। परंतु अभी तक एक बार भी बिल जमा नहीं किया गया। इनका कनेक्शन नंबर विद्युत निगम के पोर्टल पर न दर्ज कराने से बिल तैयार नहीं हो सके।

नहाय-खाय के साथ शुरू होगा छठ महापर्व

अनप्लग इंडिया

नोएडा। लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। शहर के अलग-अलग सेक्टरों में बने छठ घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई है। कहीं घाट सजाए जा रहे हैं तो कहीं महिला श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रमुख घाटों पर चेंजिंग रूम बनाए जा रहे हैं। महिला और पुरुष सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। सेक्टर-62 रामलीला मैदान, सेक्टर-21 स्टेडियम, सेक्टर-75 सेंट्रल पार्क और सेक्टर-91 के पार्क समेत कई स्थानों पर श्रद्धालु छठ पूजा करेंगे। वहीं गुरुवार को बाजारों में भी पूजा सामग्री और फलों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रही। प्रमुख घाटों पर विशेष व्यवस्था सेक्टर-21 स्थित नोएडा स्टेडियम के मैदान में प्रवासी महासंघ द्वारा छठ पर्व के लिए करीब 120 फीट लंबा और 60 फीट चौड़ा घाट बनाया जा रहा है। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश रॉय ने बताया कि महिला श्रद्धालुओं के लिए 10 से 12 चेंजिंग रूम बनाए जा रहे है। इसके अलावा सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षाकर्मी और पुरुष सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहेंगे। घाट के आसपास लगभग 20 कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों के लिए अलग से कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर निगरानी रखी जा सकेगी। सेक्टर-62 रामलीला मैदान में आदर्श छठ पूजा समिति द्वारा करीब 200 फीट लंबा और 30 फीट चौड़ा घाट बनाया जा रहा है। महिलाओं के लिए चार चेंजिंग रूम तैयार किए जा रहे है। घाट पर महिला और पुरुष सुरक्षाकर्मी की तैनाती रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए समिति द्वारा अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। सेक्टर-91 स्थित मेडिसिनल पार्क में भी छठ पूजा की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। छठ पूजा कल्चरल एक्सप्रेसवे समिति की सदस्य नम्रता नारायण ने बताया कि मैदान में करीब घाट पर आसपास के करीब 12 से 15 सोसाइटियों के लोग यहां पूजा करने आते हैं। जिनके लिए कई तरह की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। वहीं, सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में श्री सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा करीब 60 फीट लंबा और 30 फीट चौड़ा घाट तैयार किया जा रहा है। यहां भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं हो रही हैं। इसके अलावा सेक्टर-71, सेक्टर-66 और अन्य स्थानों पर भी छठ पूजा के लिए घाट बनाए जा रहे हैं। पूजा की टोकरी का औसतन खर्च 400 से 500 रुपये छठ महापर्व को लेकर शहर के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। गुरुवार को लोगों ने सूप, दउरा, बांस की टोकरी, नारियल, फल-फूल, मिठाई और पूजा से जुड़ी अन्य सामग्री की खरीदारी की। बाजारों में गन्ने की मांग भी बढ़ गई है। सामान्य दिनों में 30 से 50 रुपये तक मिलने वाला गन्ना अब करीब 80 रुपये प्रति पीस बिक रहा है।

सड़कों की देखरेख निजी हाथों में सौंपने की तैयारी में नगर निगम

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की सड़कों के रखरखाव, साफ-सफाई और उनकी सूरत बदलने के लिए नगर निगम गुरुग्राम अहम बदलाव की तैयारी कर रहा है। निगम अब अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली शहर की आंतरिक सड़कों की देखरेख का जिम्मा निजी हाथों, यानी बिल्डरों, गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और अन्य सामाजिक संगठनों को सौंपने की योजना पर काम कर रहा है। इस पहल के तहत निगम संभावित स्टेकहोल्डर्स की एक व्यापक सूची तैयार कर रहा है, और शुरूआती चरण में लगभग 60 बड़े बिल्डरों व संगठनों से संपर्क किए जाने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्ययोजना हरियाणा के



मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खल्लर के गुरुग्राम दौरे के दौरान दिए गए दिशा-निदेर्शों के बाद अमल में लाई जा रही है। अपने दौरे के दौरान उन्होंने नगर निगम अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की थी, जिसमें सड़क रखरखाव और साफ-सफाई में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और सामाजिक संगठनों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया था। इसी कड़ी में इस प्रस्ताव पर चर्चा के लिए बुधवार को संभावित संगठनों और बिल्डरों की एक विशेष बैठक आयोजित की जानी थी, लेकिन निवर्तमान नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया के अचानक हुए तबादले के कारण इस बैठक को फिलहाल स्थगित करना पड़ा है। निगम धिकारियों का कहना है कि जल्द ही नई तारीख की घोषणा कर सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक की जाएगी। स्थानीय स्तर पर बेहतर रखरखाव का लक्ष्य नगर निगम अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य यह है कि इन चुनिंदा संगठनों और संस्थानों को उनके आसपास के क्षेत्रों की सड़कों की देखरेख और रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाए। प्रशासन का मानना है कि स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष भागीदारी होने से सड़कों पर कचरा जमा होने, टूट-फूट और धूल उड़ने जैसी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेगा, जिससे मिलेनियम सिटी की सड़कों की तस्वीर में सुधार आएगा। कार्य के दायरे पर स्थिति स्पष्ट होना बाकी हालांकि, इस महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को धरातल पर उतारने से पहले अभी कई बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट होनी बाकी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इन संगठनों को सड़कों की देखरेख का खर्च खुद उठाना होगा या निगम उन्हें इसके लिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा, काम की पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एक मजबूत निगरानी तंत्र तैयार करने पर भी मंथन चल रहा है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह अभी तय होना बाकी है कि निगम इसके रखरखाव के लिए इन्हें वित्तीय सहायता देगा या नहीं। यदि इन संगठनों को फंड देने का निर्णय लिया जाता है, तो इनकी भूमिका मुख्य रूप से निगरानी और सुपरविजन की होगी। अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि सड़कों की री-कार्पेटिंग (डामरीकरण और मुख्य निर्माण कार्य) का अधिकार और जिम्मेदारी अभी भी नगर निगम के पास ही रहेगी। सड़कों का रखरखाव निजी संस्था, स्कूल, बिल्डर आदि को सौंपने की योजना तैयार की जा रही है। इसके तहत संस्था, स्कूल और बिल्डरों की सूची तैयार की जा रही है।

संपादकीय

जब तक जांच पूरी नहीं, तब तक चालक दोषी; रेलवे की नई परिभाषा

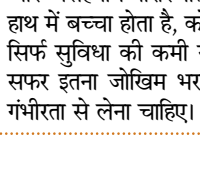

सुबह सात बजे के करीब असम में एक बड़ी ट्रेन दुर्घटना होते-होते बची। गुवाहाटी के पास दिगारू रेलवे स्टेशन पर कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई, जिसमें कुछ यात्रियों के घायल होने की खबरें आईं, हालांकि जान-माल का नुकसान न होना बड़ी राहत की बात है। लोकोमोटिव और पांच डिब्बे पटरी से उतरे, और अगर दुर्घटना थोड़ी और भीषण होती तो नतीजा कहीं अधिक भयावह हो सकता था।

पहली जानकारी के मुताबिक, जनशताब्दी एक्सप्रेस को रास्ता देने के लिए जब इस ट्रेन को लूप लाइन पर लाया जा रहा था, तब लोको पायलट गति नियंत्रित नहीं कर पाए और ट्रेन डेड-एंड के बैरिकेड्स से टकराकर पटरी से उतर गई। रेलवे का प्रारंभिक बयान भी यही था कि लोको पायलट ट्रेन की रफ्तार पर काबू नहीं रख सके।

लेकिन इसके बाद एक वीडियो सामने आया, जिसमें लोको पायलट को ब्रेक फेल होने की बात कहते सुना जा सकता है। वीडियो में कहा जा रहा है कि सिग्नल लाल है, इमरजेंसी ब्रेक लगाया गया, लेकिन ए-9 और एसए-9 सहित ब्रेकिंग सिस्टम काम नहीं कर रहे। इससे सवाल उठता है कि क्या दुर्घटना केवल चालक की 'गति नियंत्रित न कर पाने' की वजह से हुई, या उसके पीछे तकनीकी खराबी भी थी। फिलहाल वीडियो की प्रामाणिकता और तकनीकी कारण दोनों की पुष्टि जांच से ही हो सकेगी। कायदे से छोटी-सी दुर्घटना होने पर भी रेलवे को बाकायदा जांच करवाकर ही नतीजे पर पहुंचना चाहिए। जांच में यह पता चलना चाहिए कि ब्रेक सिस्टम में खराबी थी या नहीं, सिग्नल और लूप लाइन की प्रक्रिया में कोई कमी रही या नहीं, और लोको पायलट को कितना समय मिला। जांच का असली मकसद किसी को बचाना या फंसाना नहीं, बल्कि अगली दुर्घटना रोकने के उपाय निकालना है। एक तेज रफ्तार ट्रेन के इंजन और पांच डिब्बों के पटरी से उतरने के तुरंत बाद सारा दोष चालक पर थोप देना गंभीर जांच का विकल्प नहीं हो सकता। यह घटना यह भी दिखाती है कि जनता की सुरक्षा केवल नए ट्रेनों, वंदे भारत या प्रचार-वीडियो से तय नहीं होती। उसे रोज की जांच, रखरखाव, सिग्नलिंग, स्टाफ प्रशिक्षण और जवाबदेही से तय किया जाता है। जब एक लोको पायलट आपात स्थिति में ब्रेक न चलने की बात कहता है, तो उसे 'बहाना' कहकर खारिज करने से पहले रिकॉर्डिंग, ब्लैक बॉक्स, ब्रेक पाइप का दबाव, सिग्नल डेटा और रखरखाव रिकॉर्ड की जांच जरूरी है। इसी तरह, ट्रेनों में यात्रियों की हालत भी अक्सर उपेक्षा का विषय बन जाती है। त्योहारों के मौसम में स्टेशनों और जनरल बोगियों में भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि लोग दरवाज़ों पर लटककर, खड़े होकर और असहनीय परिस्थितियों में सफर करने को मजबूर होते हैं। किसी के हाथ में बच्चा होता है, कोई बुजुर्ग है, कोई महिला भीड़ में असहज है। यह सिर्फ सुविधा की कमी नहीं, बल्कि सुरक्षा का सवाल भी है। जब सस्ता सफर इतना जोखिम भरा हो जाए, तो सरकार और रेलवे दोनों को उसे गंभीरता से लेना चाहिए।

छठ महापर्व : लोकआस्था से वैश्विक सांस्कृतिक पहचान तक



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक, नई दिल्ली

किसी पर्व की पहचान केवल उसकी धार्मिक मान्यताओं से नहीं बनती, बल्कि उससे जुड़े जीवन-मूल्यों, लोकपरंपराओं और सामूहिक संवेदनाओं से भी बनती है। छठ महापर्व इसका एक सुंदर उदाहरण है। कभी बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाँवों, कस्बों और नगरों तक सीमित दिखाई देने वाला यह लोकपर्व आज देश की सीमाएँ लाँघकर दुनिया के अनेक देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। सात समंदर पार बसे भारतीय परिवारों के बीच भी छठ के गीत गूँज रहे हैं, व्रती महिलाएँ निर्जला उपवास रख रही हैं और जलाशयों के किनारे डूबते तथा उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जा रहा है। यह विस्तार केवल एक धार्मिक परंपरा का प्रसार नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति की जीवंतता और अपनी जड़ों से जुड़े रहने की मानवीय आकांक्षा का प्रमाण है।

छठ महापर्व का मूल आधार सूर्योपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता है। सूर्य को जीवन, ऊर्जा और प्रकाश का स्रोत माना गया है। उनके बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इस पर्व में सूर्य के साथ छठी मैया की आराधना की जाती है। लोकमान्यता के अनुसार छठी मैया संतानों की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा आरोग्य प्रदान करती हैं। इस पर्व की सबसे विशिष्ट बात यह है कि इसमें केवल उगते सूर्य की ही नहीं, बल्कि अस्त होते सूर्य की भी उपासना की जाती है। संसार जहाँ प्रायः उगते सूर्य को प्रणाम करता है, वहीं छठ हमें अस्त होते सूर्य के प्रति भी सम्मान व्यक्त करना सिखाता है। यह जीवन के प्रत्येक पड़ाव, संघर्ष और परिवर्तन को स्वीकार करने का सुंदर संदेश है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व नहाय-खाय से आरंभ होता है। दूसरे दिन खरना के अवसर पर व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद लगभग छत्तीस घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है। तीसरे दिन संध्या के समय नदी, तालाब अथवा किसी जलाशय के किनारे अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया



जाता है। चौथे दिन प्रातःकाल उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ व्रत का समापन होता है। बाँस के सूप और दउरे में सजे फल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ और अन्य प्रसाद इस पर्व की पारंपरिक पहचान हैं। स्वच्छता, पवित्रता, संयम और अनुशासन इसकी आत्मा हैं।

छठ के वैश्विक विस्तार के पीछे प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा, रोजगार, व्यापार और बेहतर जीवन की तलाश में बिहार तथा पूर्वांचल के लाखों लोग दुनिया के अलग-अलग देशों में पहुँचे हैं। वे अपने साथ अपनी भाषा, लोकगीत, खानपान और सांस्कृतिक परंपराएँ भी ले गए। यही कारण है कि आज मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, नेपाल, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और खाड़ी देशों में छठ मनाया जाता है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने भी सितंबर 2025 में छठ के अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को रेखांकित करते हुए संयुक्त अरब अमीरात, सूरीनाम और नीदरलैंड के राजनयिक प्रतिनिधियों के साथ इसकी बहुराष्ट्रीय मान्यता के लिए विचार-विमर्श किया था।

मॉरीशस में छठ की परंपरा विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यहाँ भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी है, जिनकी सांस्कृतिक स्मृतियों में बिहार और पूर्वांचल की परंपराएँ आज भी जीवित हैं। फिजी और सूरीनाम में भी भारतीय मूल के परिवार इस पर्व को अपनी सांस्कृतिक विरासत के रूप में सँजोए हुए हैं। नेपाल के तराई क्षेत्र में छठ की परंपरा अत्यंत प्राचीन और व्यापक है। संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया, टेक्सास और अन्य क्षेत्रों में भारतीय समुदाय सामूहिक रूप से इस पर्व का आयोजन करता है। ब्रिटेन के लंदन, बर्मिंघम और लीसेस्टर में भी छठ के अवसर पर श्रद्धालु एकत्र होते हैं। इन स्थानों पर स्थानीय भारतीय संगठनों और सामुदायिक संस्थाओं की भूमिका सराहनीय है।

विदेशों में छठ मनाना आसान नहीं होता। भारत के गाँवों की तरह हर जगह नदी, तालाब या पारंपरिक घाट उपलब्ध नहीं हैं। कहीं कृत्रिम जलकुंड बनाए जाते हैं तो कहीं झीलों और सार्वजनिक जलाशयों के किनारे पूजा की व्यवस्था की जाती है। ठंडे देशों में मौसम की कठिनाइयाँ भी व्रतियों की परीक्षा लेती हैं। बाँस के सूप, मिट्टी के दीपक, गन्ना और अन्य पारंपरिक पूजन सामग्री जुटाना भी चुनौतीपूर्ण होता है। इसके बावजूद श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार परंपराओं का निर्वाह करते हैं। सामूहिक सहयोग से घाट सजाए जाते हैं, छठ गीत गाए जाते हैं और प्रसाद तैयार किया जाता है। यह दृश्य बताता है कि संस्कृति केवल भौगोलिक परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती, वह मनुष्य की आस्था और संकल्प से जीवित रहती है।

इस वैश्विक विस्तार का एक भावनात्मक पक्ष भी है। विदेशों में रहने वाले अनेक लोगों के लिए छठ अपने गाँव, घर, परिवार और बचपन की स्मृतियों से मिलने का अवसर है। उन्हें अपनी माँ या दादी के गाए वे पारंपरिक गीत याद आते हैं, जिनमें सूर्य, गंगा, छठी मैया और पारिवारिक मंगल की कामना होती थी। ठेकुआ की सुगंध, बाँस के सूप में सजे फल और घाट पर जलते दीपक उन्हें अपनी मिट्टी से जोड़ देते हैं। विशेष बात यह है कि विदेशों में पली-बढ़ी नई पीढ़ी भी अपने माता-पिता और दादा-दादी से इस पर्व की परंपराएँ सीख रही है। इस प्रकार छठ पीढ़ियों के बीच सांस्कृतिक संवाद का माध्यम बन रहा है।

छठ का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। इसमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सामुदायिक सहयोग के गहरे संदेश निहित हैं। सूर्य, जल, धरती और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाला यह पर्व हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व का बोध कराता है। इसमें भव्य मंदिरों, महँगी सजावट और दिखावे की आवश्यकता नहीं होती। नदी, तालाब, जल और स्वच्छ वातावरण ही पूजा के प्रमुख आधार हैं। घाटों पर जाति, वर्ग और आर्थिक स्थिति के भेदभाव को पीछे छोड़कर लोग एक साथ खड़े होते हैं। प्रसाद बाँटने और व्यवस्था सँभालने में सभी की भागीदारी रहती है। इस दृष्टि से छठ सामाजिक समरसता और सामूहिक उत्तरदायित्व का भी उत्सव है।

छठ को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक पहचान दिलाने की दिशा में भारत सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। संस्कृति मंत्रालय ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल कराने के लिए बहुराष्ट्रीय नामांकन की प्रक्रिया शुरू की। अगस्त 2026 में भारत सरकार ने राज्यसभा में जानकारी दी कि छठ महापर्व का नामांकन दस्तावेज यूनेस्को को भेजा जा चुका है। इस पहल में मॉरीशस सहित अन्य देशों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। हालाँकि नामांकन भेजा जाना और अंतिम मान्यता प्राप्त होना अलग-अलग प्रक्रियाएँ हैं, लेकिन यह कदम छठ की वैश्विक सांस्कृतिक महत्ता को स्वीकार करने की दिशा में उल्लेखनीय है। इससे पर्व की परंपराओं का व्यवस्थित अभिलेखन, संरक्षण और भावी पीढ़ियों तक उनका हस्तांतरण सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

आज जब दुनिया सांस्कृतिक टकराव, पर्यावरण संकट और सामाजिक विभाजन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब छठ का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति विनम्रता, जीवन के प्रति कृतज्ञता, कठिन साधना के प्रति निष्ठा और समाज के प्रति सहयोग का भाव सिखाता है। इसमें आस्था है, लेकिन आडंबर नहीं; अनुशासन है, लेकिन प्रदर्शन नहीं; सामूहिकता है, लेकिन भेदभाव नहीं।

छठ अब केवल बिहार या पूर्वांचल की पहचान नहीं रह गया है। यह भारतीय लोकसंस्कृति का ऐसा प्रकाशपर्व बन चुका है, जिसकी आभा महाद्वीपों की सीमाएँ पार कर रही है। दुनिया के किसी भी कोने में जब कोई व्रती जल में खड़ा होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देता है, तो उसके हाथों में केवल पूजा का सूप नहीं होता, बल्कि अपनी मिट्टी, अपने पुरखों और अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति अटूट प्रेम भी होता है। सच तो यह है कि छठ का सूर्य भले ही अलग-अलग देशों के आकाश में अस्त और उदित होता हो, लेकिन उसके प्रति श्रद्धा का भाव पूरी मानवता को एक सूत्र में बाँधने की क्षमता रखता है।

यूरोप और भारत में जनांदोलन दे रहे चुनी हुई सत्ता को चुनौती

नन्तू बनर्जी

केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों का तर्क है कि मतदाता सूची से डुप्लिकेट, मृत और फर्जी मतदाताओं के नाम हटाकर डेटा को दुरुस्त करना जरूरी था। सरकार ने अब इसके जवाब में एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद हैदराबाद में एक पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे एसआईआरके खिलाफ 'वोट बचाओ' अभियान चलाने के बजाय 'घुसपैठिए बचाओ' अभियान चला रहे हैं।

भारतीय लोकतंत्र में एक दिलचस्प घटनाक्रम हो रहा है। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के बैनर तले राज्यों में रैलियां कर रही है। यह इंडिया ब्लॉक के रामलीला मैदान में चुनी हुई राष्ट्रीय सरकार के खिलाफ आयोजित बड़े प्रदर्शन के बाद किया जा रहा है। यूरोप के कई हिस्सों में भी जन विद्रोह चुनी हुई सरकारों को खतरे में डाल रहे हैं, जबकि चुनी हुई सरकारों को लग रहा है कि लोकतंत्र को खतरा पहुंचाने वाले लोग जनभावनाओं को हथियार बनाकर, समाजों को एकजुट करके और चुनावी जनादेश को चुनौती देकर लोकतंत्र को खतरे में डाल रहे हैं।

मध्यावधि जनांदोलनों से निपटना पूरी लोकतांत्रिक दुनिया में चुनी हुई सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि राजनीतिक स्थिरता और वित्तीय-सह-ढांचागत ज़िम्मेदारी के बीच लगातार तनाव बढ़ रहा है। लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकारें आमतौर पर मध्यावधि सामाजिक बगावत को तुरंत बातचीत और नीतिगत सुधारों से संभालती हैं। इसके लिए सार्वजनकि व्यवस्था, लोकतंत्र, और लोगों की नाराज़गी की असली वजहों को दूर करने के बीच सावधानी से संतुलन बनाने की ज़रूरत होती है।

चुनी हुई सरकारें अक्सर यह भूल जाती हैं कि जन विरोध एक मौलिक अधिकार है और एक जीवंत लोकतंत्र का एक ज़रूरी हिस्सा, जिससे नागरिक अपनी असहमति जता सकते हैं, सरकारों को ज़िम्मेदार ठहरा सकते हैं, और नीतिगत सुधार ला सकते हैं। भारत और यूरोप दोनों में विपक्ष, सामाजिक संगठनों और छात्रों द्वारा चलाये जा रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन दिखाते हैं कि जनभावना भड़काने वाले नेता एक से ही तरीकों पर भरोसा करते हैं - जैसे सरकार विरोधियों को दुश्मन मानना, राजनीतिक विरोधियों को सही विकल्प के तौर पर नहीं, बल्कि 'लोगों के दुश्मन' या देश के लिए खतरा बताना। सरकारें लोकतांत्रिक प्रक्रिया (जैसे नियमित चुनाव) के बाहरी आवरण को बचाने की कोशिश करती हैं, जबकि स्वायत्त संस्थानों, न्यायपालिका, और निगरानी रखने वाले निकायों को खत्म कर देती है। हाल ही में नई दिल्ली में विपक्ष के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों और अलग-अलग सिविल सोसाइटी गुटों के समर्थन ने संस्थागत आज़ादी, चुनाव आयोग और शासन के बारे में चल रही सार्वजनिक बहस को उजागर किया। ये आंदोलन गहरी जन चिंता और सक्रिय लोकतांत्रिक

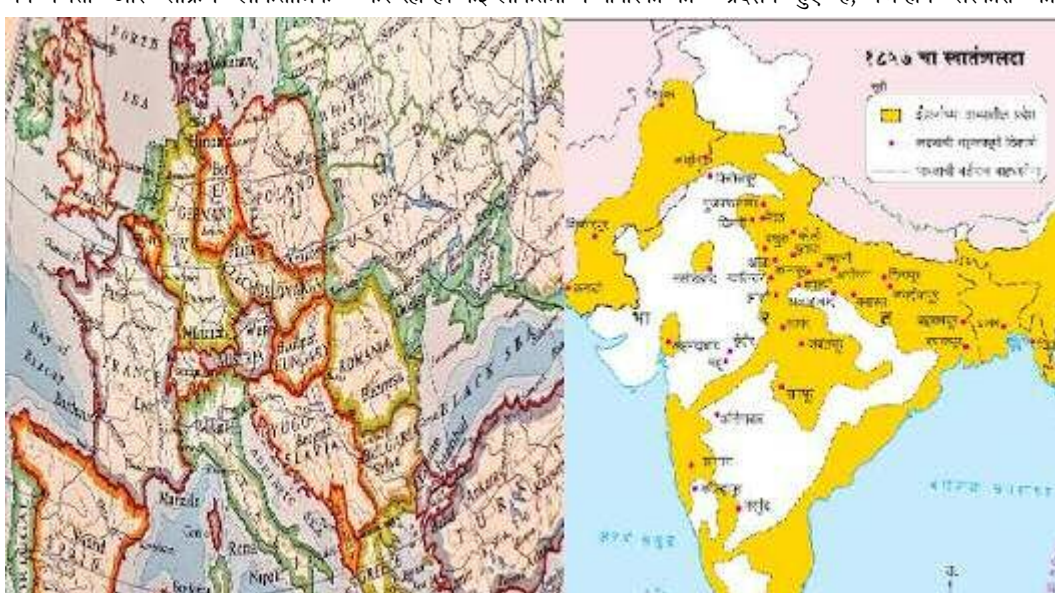

मज़बूती दोनों को दिखाते हैं। शांतिपूर्ण असहमति सत्ता पर एक ज़रूरी रोक का काम करती है, जिससे चुनाव के दिन से बहुत पहले ही हाशिए पर या अल्पसंख्यक आवाज़ें फ़ैसले लेने पर असर डाल सकती हैं।

दुनिया भर में चुनी हुई सरकारें जनता की नाराज़गी, युवाओं के सड़कों पर होने वाले प्रदर्शनों और बदलते चुनावी माहौल के कारण बहुत ज़्यादा दबाव का सामना कर रही हैं। कई लोकतंत्रों में नागरिकों को लगता है कि सत्ता एक ऐसे शासक वर्ग या बड़ी टेक कंपनियों के हाथों में सिमट गई है, जो आम लोगों से कटे हुए हैं। इसके चलते पारंपरिक संस्थाओं के प्रति लोगों में भारी निराशा पैदा हुई है। कई देशों में स्वतंत्र जांच और संतुलन, चुनावी नियम और नागरिक स्वतंत्रताएं दबाव में आ गई हैं। यूरोप में, फ्रांस, स्पेन, इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल, ग्रीस और अल्बानिया जैसे देशों में युवाओं के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिन्होंने सरकारों को आर्थिक और सामाजिक शिकायतों पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। ब्राजील और सर्बिया जैसे देशों में हाल ही में हुए महत्वपूर्ण चुनावों में मतदाताओं के बीच गहरा ध्रुवीकरण देखने को मिला, जहां लोग मौजूदा नेतृत्व और लोकतांत्रिक मानदंडों के या तो पक्ष में थे या उनके खिलाफ।

इस स्थिति का एक बड़ा उदाहरण भारत में देखने को मिला है, जहां चुनावी सूचियों में बदलाव को लेकर सरकार को जनता के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। देश के चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों का 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) किया, जिसके तहत 13 करोड़ से अधिक नाम हटा दिए गए।

केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों का तर्क है कि मतदाता सूची से डुप्लिकेट, मृत और फर्जी मतदाताओं के नाम हटाकर डेटा को दुरुस्त करना जरूरी था। सरकार ने अब इसके जवाब में एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद हैदराबाद में एक पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे एसआईआरके खिलाफ 'वोट बचाओ' अभियान चलाने के बजाय 'घुसपैठिए बचाओ' अभियान चला रहे हैं। कोलकाता में, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने एक बड़ी रैली निकाली, जिसमें उन्होंने चुनावी निष्पक्षता को लेकर विपक्ष के दावों को चुनौती दी।

दुर्भाग्य से, चुनी हुई सरकारें अक्सर यह भूल जाती हैं कि लोकतंत्र में जनता का विरोध प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण 'सेफ्टी वाल्व' और जवाबदेही तय करने का जरिया होता है। इसके जरिए नागरिक अपनी शिकायतें रख सकते हैं, सरकारी नीतियों को चुनौती दे सकते हैं और नियमित चुनावों के अलावा सार्वजनिक मामलों में अपनी भागीदारी निभा सकते हैं। कार्यकाल के बीच में होने वाले सामाजिक असंतोष से निपटने के लिए एक संतुलन बनाना जरूरी है-जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने, लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करने और जनता की नाराजगी के मूल कारणों को दूर करने के बीच तालमेल हो। सरकार को जनता की शिकायतों को पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से स्वीकार करना चाहिए, और ऐसी उपेक्षापूर्ण बयानबाजी से बचना चाहिए जिससे तनाव और बढ़ सकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुरक्षा बल कानून-व्यवस्था बनाए रखें, लेकिन साथ ही मानवाधिकारों और शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकार का भी पूरा सम्मान करें। अत्यधिक पुलिस बल का इस्तेमाल अक्सर उल्टा पड़ जाता है और बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट कर देता है। सरकार को अपने फैसलों, वित्तीय बाधाओं या नीतियों की समय-सीमा के बारे में स्पष्ट और आसानी से उपलब्ध डेटा देकर गलत सूचनाओं का मुकाबला करना चाहिए। जब कोई सरकार अपने ही नागरिकों के सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शनों के खिलाफ जवाबी प्रदर्शन आयोजित करती है या उन्हें प्रायोजित करती है, तो इसे अपनी सत्ता चमकाने, लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने और असहमति को दबाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है।

बैंक में नोट गायब हों तो चोरी, वोट गायब हों तो 'प्रशासनिक विसंगति'!

-सचिन कुमार गौतम

वोट चोरी और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर–इन दो मुद्दों पर चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। 'द रिपोर्टर्स कलेक्टिव' की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2024 के चुनावों में महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की 51 विधानसभा तथा लोकसभा सीटों पर डाले गए वोटों और गिने गए वोटों के बीच विसंगतियां मिली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 19 सीटों पर बूथ में पहुंचे मतदाताओं की संख्या दर्ज ही नहीं हुई, जबकि 32 सीटों पर मतदान और मतगणना के आंकड़ों में अंतर पाया गया।

इस मामले को समझने के लिए एक सरल उदाहरण लें। मान लीजिए कि कोई बैंक ग्राहकों से नोट जमा लेता है और उन्हीं नोटों को वापस देने का दावा करता है। यदि जमा किए गए नोटों और निकाले गए नोटों की गिनती मेल नहीं खाती, तो स्वाभाविक सवाल यह उठेगा कि अंतर कहां गया। चुनाव में भी यही सिद्धांत लागू होता है। हर मतदान केंद्र पर यह दर्ज होना चाहिए कि कितने मतदाता वोट डालने आए और उन्होंने कितने वोट डाले। यदि इन दोनों आंकड़ों में मेल नहीं हो, तो जवाबदेही तय करना जरूरी हो जाता है।

हर बूथ का पीठासीन अधिकारी फॉर्म 17C भरता है। इसके पहले भाग में बूथ पर पहुंचे मतदाताओं की संख्या और ईवीएम में दर्ज वोटों की संख्या होती है। चुनाव के बाद रिटर्निंग अधिकारी इन आंकड़ों की जांच करता है, ताकि किसी भी अनियमितता का पता चल सके। रिपोर्टर्स कलेक्टिव ने 530 निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों की आंतरिक रिपोर्टें हासिल कीं और 4,212 दस्तावेजों को डिजिटाइज करके उनका विश्लेषण किया।

रिपोर्ट के अनुसार, 19 सीटों पर मतदाताओं की संख्या 'शून्य' या 'निल' दर्ज की गई। इसके दो संभावित अर्थ हो सकते हैं–या तो वहां किसी ने वोट नहीं डाला, या रिकॉर्ड गलत तरीके से तैयार किया गया। दूसरी ओर, 32 सीटों पर डाले गए और गिने गए वोटों में अंतर दिखाया गया है। हरियाणा की बड़खल विधानसभा सीट का उदाहरण रिपोर्ट में उल्लेखनीय है, जहां 3.32 लाख वोट डाले जाने का दावा किया गया, लेकिन गिनती में केवल 1.60 लाख वोट दिखाए गए।

यह विवाद इसलिए गंभीर है कि चुनाव आयोग ने इन दावों को 'भ्रामक' बताते हुए खारिज किया है। आयोग का कहना है कि रिपोर्ट में कुछ जगहों पर कुल मतदाताओं की संख्या को डाले गए वोटों की संख्या मान लिया गया है।

चुनाव आयोग का यह दावा कि उसके पास आधिकारिक आंकड़े मौजूद हैं, महत्वपूर्ण है। लेकिन जब बाहरी पक्षों को बुनियादी रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं मिलती, तो आम नागरिक के लिए यह तय करना कठिन हो जाता है कि विसंगति वास्तविक है या गलत व्याख्या का नतीजा। इसलिए सबसे बेहतर रास्ता यह है कि आयोग सभी संबंधित रिकॉर्ड सार्वजनिक करे, स्वतंत्र जांच की अनुमति दे और हर संदिग्ध बिंदु का स्पष्ट जवाब दे।

इसी तरह एसआईआर को लेकर भी चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण स्वयं में गलत नहीं है, क्योंकि सूची को सटीक रखना चुनाव प्रक्रिया का आवश्यक हिस्सा है।

उदाहरण के लिए, मुंबई उत्तर में करीब 18.11 लाख पंजीकृत मतदाता थे, लेकिन वास्तव में 10,36,496 वोट डाले गए। इसी तरह बड़खल में भी आयोग ने कहा कि रिपोर्ट ने मतदाताओं की संख्या को डाले गए वोटों के रूप में पेश किया है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि फॉर्म 17C ही मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का वैधानिक रिकॉर्ड है। मतदान समाप्त होने के बाद इसकी प्रतियां उपस्थित पोलिंग एजेंटों को दी जाती हैं और मतगणना के दिन काउंटिंग एजेंट इन्हें गिनती के आंकड़ों से मिलाते हैं। आयोग का तर्क है कि इसके सांख्यिकीय रिपोर्ट और इंडेक्स कार्ड सार्वजनिक उपलब्ध हैं, जिनमें मतदाता, ईवीएम वोट, डाक मत और कुल डाले गए वोट शामिल हैं।

फिर भी सवाल यही है कि जब जनता के पास प्रत्येक बूथ का पूरा रिकॉर्ड सहज रूप से उपलब्ध न हो, तो स्वतंत्र सत्यापन कैसे होगा? एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने 2024 लोकसभा चुनाव के सभी फॉर्म 17ष्ट सार्वजनिक करने की मांग सुप्रीम कोर्ट में की थी, लेकिन आयोग ने कहा कि उम्मीदवार या उसके एजेंट को छोड़कर इसे किसी और को देने का कानूनी दायित्व नहीं है। इसके बाद केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव किया, जिससे इन दस्तावेजों तक सार्वजनिक पहुंच और सीमित हुई।

लोकतंत्र में चुनाव की विश्वसनीयता केवल परिणाम घोषित करने पर निर्भर नहीं करती। उसकी असली ताकत इस भरोसे में होती है कि हर वोट दर्ज हुआ, सुरक्षित रहा और सही गिना गया। यदि मतदाता, प्रत्याशी या स्वतंत्र अन्वेषक किसी बूथ के आंकड़े जांच नहीं सकते, तो संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। इसलिए फॉर्म 17ष्ट जैसे दस्तावेजों की सार्वजनिक पहुंच केवल तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही का मुद्दा है।

चुनाव आयोग का यह दावा कि उसके पास आधिकारिक आंकड़े मौजूद हैं, महत्वपूर्ण है। लेकिन जब बाहरी पक्षों को बुनियादी रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं मिलती, तो आम नागरिक के लिए यह तय करना कठिन हो जाता है कि विसंगति वास्तविक है या गलत व्याख्या का नतीजा। इसलिए सबसे बेहतर रास्ता यह है कि आयोग सभी संबंधित रिकॉर्ड सार्वजनिक करे, स्वतंत्र जांच की अनुमति दे और हर संदिग्ध बिंदु का स्पष्ट जवाब दे।

इसी तरह एसआईआर को लेकर भी चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण स्वयं में गलत नहीं है, क्योंकि सूची को सटीक रखना चुनाव प्रक्रिया का आवश्यक हिस्सा है। लेकिन जब नाम हटाने की प्रक्रिया में किसी विशेष समुदाय, क्षेत्र या राजनीतिक पक्ष को असमान रूप से प्रभावित होने का आरोप लगे, तो आयोग को पारदर्शी जांच और सार्वजनिक स्पष्टीकरण देना चाहिए।

यदि किसी राज्य में हटाए गए नामों में किसी समुदाय की असामान्य रूप से अधिक संख्या हो, तो यह जांचना होगा कि ऐसा क्यों हुआ। यह भी देखना होगा कि प्रभावित मतदाताओं को सुनवाई, दस्तावेज जमा करने और अपना नाम बहाल कराने का पर्याप्त अवसर मिला या नहीं। मतदाता सूची से नाम हटना केवल प्रशासनिक कार्य नहीं है; यह किसी नागरिक के मताधिकार को सीधे प्रभावित कर सकता है।

राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप चुनावी राजनीति का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें तथ्यों से अलग करके देखना जरूरी है। यदि कोई नेता यह कहता है कि एसआईआर के बाद किसी समुदाय के मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, तो उसे आंकड़ों, स्रोत और तुलना की अवधि के साथ स्पष्ट करना चाहिए। इसी तरह, यदि किसी पक्ष को मतदाता सूची में गड़बड़ी का संदेह है, तो उसे महज भाषण नहीं बल्कि ठोस प्रमाण और न्यायिक-प्रशासनिक मार्ग अपनाना चाहिए।

सार समचार

जेजेपी ने महेंद्रगढ़ रैली की तैयारियां तेज की, जिलावार कार्यक्रम जारी

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने 6 दिसंबर को स्थापना दिवस पर महेंद्रगढ़ में होने वाली रैली की तैयारियां तेज कर दी है। जेजेपी प्रमुख डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा शनिवार से जिलावार कार्यक्रम करेंगे। वे 14 नवंबर को पानीपत और सोनीपत, 15 नवम्बर को कुरुक्षेत्र और अंबाला, 17 नवंबर को पंचकुला और यमुनानगर जिले में कार्यक्रम करके रैली का न्योता देंगे। इसी तरह 18 नवम्बर को फरीदाबाद और नूंह, 19 नवम्बर को भिवानी और दादरी, 20 नवम्बर को रोहतक और हंसी, 21 नवम्बर को फतेहाबाद, 22 नवम्बर को झज्जर और गुरुग्राम, 24 नवम्बर को रेवाड़ी और महेन्द्रगढ़, 25 को कैथल, 28 नवम्बर को पलवल जिले में जेजेपी पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ रैली की तैयारियां करेगी। इनके अलावा जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला विभिन्न हलकों में जाकर ग्रामीणों व शहरवासियों से रूबरू होकर रैली का निमंत्रण दे रहे है।

ट्रांसपोर्ट कंपनी के स्टोर में भीषण आग, करोड़ों का सामान जलकर राख

अनप्लग इंडिया

कैथल। कैथल शहर के फ्रांसवाला रोड पर स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के स्टोर में देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते स्टोर में रखा व्यापारियों और अन्य लोगों का करोड़ों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना रात करीब 12 से एक बजे के बीच की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों ने आग लगने की



सूचना तुरंत डायल 112 और फायर ब्रिगेड विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए फायर कर्मियों को करीब तीन घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद आग पर काबू पाया जा सका।

दो पिकअप, बाइक और रेहड़ी भी आग की चपेट में आई

आग इतनी भीषण थी कि स्टोर में रखा सामान पूरी तरह इसकी चपेट में आ गया। वहां खड़ी दो पिकअप गाड़ियां, एक बाइक और एक रेहड़ी भी जल गई। इसके अलावा गाड़ियों में लदा और स्टोर में रखा जूते, टायर, कुर्सियां, दवाइयां और कपड़ों सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। इस घटना में ट्रांसपोर्ट कंपनी के साथ-साथ उन व्यापारियों और लोगों को भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ, जिनका सामान डिलीवरी के लिए वहां रखा हुआ था।

सुबह होनी थी गाड़ियों में लोड सामान की डिलीवरी

शर्मा गुड्स एंड ट्रांसपोर्ट के संचालक श्याम सुंदर ने बताया कि उनकी कंपनी व्यापारियों का सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का काम करती है। शाम के समय विभिन्न व्यापारियों का सामान गाड़ियों में लोड कर दिया गया था और सुबह इसकी डिलीवरी की जानी थी, लेकिन रात को अचानक लगी आग ने सब कुछ तबाह कर दिया।

श्याम सुंदर ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई थी और काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आगजनी में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम की ओर से नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

अंग्रेजों को नहीं फटकने दिया था महाराजा रणजीत सिंह ने अपने जीते जी अपने साम्राज्य के पास

अनप्लग इंडिया

गुडगांव : देश की आजादी में अपना सर्वोच्च बलिदान और देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति दिलाने के लिए योगदान देने वालों को देश याद कर रहा है। शेर ए पंजाब के नाम से विख्यात महाराजा रणजीत सिंह की जयंती पर उन्हें याद करते हुए सिख समुदाय के वक्ताओं ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह ने अपने जीते जी अंग्रेजों को अपने साम्राज्य के पास फटकने भी नहीं दिया था। उनका जन्म 13 नवम्बर 1780 में गुंजरावाला जो अब पाकिस्तान में महाराजा महासिंह के घर हुआ था। अल्पायु में ही चेचक के कारण महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख की रोशनी चली गई थी। 12 वर्ष की अल्पायु में ही उनके पिता का निधन हो गया था, राजपाठ का सारा बोझ उन्हीं के कंधों पर आ गया था। वर्ष 1801 को रणजीत सिंह ने महाराजा की उपाधि ग्रहण की थी। गुरु नानक जी के एक वंशज ने उनकी ताजपोशी कराई और उन्होंने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया था। वक्ताओं ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह ने अफगानों के खिलाफ कई लड़ाईयां लडी। उन्होंने सिख खालसा सेना का गठन भी किया। महाराजा रणजीत सिंह स्वयं अशिक्षित थे, लेकिन उन्होंने अपने राज्य में शिक्षा और कला को बहुत प्रोत्साहन दिया था। राज्य में कानून व्यवस्था कायम करने के लिए उन्होंने कभी भी किसी को मृत्यु दंड नहीं दिया था। उनका राज्य धर्मनिरपेक्ष था और उन्होंने कभी भी किसी को सिख धर्म अपनाने के लिए विवश नहीं किया। अमृतसर के हरि मंदिर साहिब गुरुद्वारा को उन्होंने सोने से मंडवाया था। तभी से उसे स्वर्ण मंदिर कहा जाने लगा। वक्ताओं ने कहा कि बेशकीमती कोहिनूर हीरा महाराजा रणजीत सिंह के खजाने की रौनक था। वर्ष 1839 की 27 जून को महराजा रणजीत सिंह का निधन हो गया। उनके निधन के साथ ही अंग्रेजों ने उनके राज्य पर भी शिकंजा कसना शुरु कर दिया था और 1849 में अंग्रेजों ने सिखों के साथ युद्ध किया, लेकिन सिख हार गए थे और पंजाब को अंग्रेजों ने ब्रिटिश साम्राज्य का अंग बना लिया था तथा बेशकीमती कोहिनूर हीरा ब्रिटिश साम्राज्य की विक्टोरिया को अंग्रेजों द्वारा पेश किया गया था। वक्ताओं ने देशवासियों से आग्रह किया कि महाराजा रणजीत सिंह के आदर्शों को अपनाकर ही देश व समाज का भला संभव है, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बिग 5 ग्लोबल में भारत के 80 प्रतिष्ठान दिखाएंगे भारतीय निर्माण उद्योग की ताकत

अनप्लग इंडिया

गुडगांव : मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया (एमईएएसए) के तेजी से बढ़ते निर्माण और शहरी विकास बाजार में भारत अपनी विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। आगामी 23 से 26 नवंबर तक दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित होने वाले 4 दिवसीय बिग 5 ग्लोबल में देश के 80 प्रतिष्ठान हिस्सा लेंगे। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) भारत के अध्यक्ष पंकज चड्ढा का कहना है कि अरंका द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार बुनियादी ढांचे, आवास और टिकाऊ भवन निर्माण समाधानों की बढ़ती मांग के चलते देश का निर्माण बाजार 2031 तक 1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में यह अंतरराष्ट्रीय मंच भारतीय निर्माताओं को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ने और नए व्यावसायिक अवसर तलाशने का बड़ा मौका देगा। उनका कहना है कि इस प्रदर्शनी में 60 से अधिक देशों के एक हजार 800 से ज्यादा प्रदर्शक अपने 55 हजार नवोन्मेषी उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी है। भारतीय प्रदर्शकों की सूची में एस्ट्रल लिमिटेड, सीआरआई पंप्स, एक्वासब इंजीनियरिंग, जैनसन केबल्स इंडिया, शक्ति इरिगेशन, हिमालयन एडहेसिव्स और एचपी एडहेसिव्स जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो पंप, पाइपिंग, केबल और निर्माण सामग्री के क्षेत्र में देश की क्षमता दिखाएंगी।

इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे : नायब सिंह सैनी

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फरवरी में होने वाले पंजाब के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां के नशा कारोबारी या तो यह काम छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। पंजाब और हरियाणा में नशे के सौदागर नहीं रहने दिए जाएंगे। पंजाब के लोगों ने मन बना लिया है कि इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात शुक्रवार को पंजाब के जालंधर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि छह महीने में नशा खत्म कर दिया जाएगा लेकिन यहां हर दिन नशे की दलदल बढ़ती गई जिसमें यहां की युवा पीढ़ी धंसती चली गई लेकिन सरकार के पास नशा खत्म करने के लिए न तो कोई नीति है और न ही नीयत है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 2029 तक देश से नशे को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है जिसे पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत नीति बनाई जा रही है। इस प्रकार के बड़े संकल्पों को केवल भाजपा सरकार ही पूरा कर सकती है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस केवल झूठे वादों के सहारे वोट लेना ही जानती हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले चुनाव में वादा किया था कि पंजाब के 25 लाख युवाओं को नौकरी देंगे लेकिन आज



मुख्यमंत्री टेलीविजन पर गर्व से बताते हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल में 60 हजार नौकरियां दी हैं। यह नौकरियां भी प्रभावशाली लोगों के बच्चों को भ्रष्टाचार के सहारे मिली है जिससे मेहनती व गरीब युवाओं के सपनों को सरकार ने रौंद दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री बताएं कि उन्होंने पंजाब में कितने मौहल्ला क्लीनिक खोले, इनमें कितने लोगों का मुफ्त इलाज हुआ और लोगों को यहां क्या-क्या सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा की 3 करोड़ आबादी में से डेढ़ करोड़ लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाए गए हैं जिन्हें हर साल 5 लाख रुपये के मुफ्त इलाज की सुविधा है। इसके तहत अब तक 40 लाख लोगों ने मुफ्त इलाज करवाया है जिस पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 6000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में चुनाव से पहले भाजपा ने महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया था जिसे सरकार बनते ही दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना बनाकर पूरा किया गया। सरकार ने अपने पहले ही बजट में इसके लिए 5000 करोड़ रुपये तथा दूसरे बजट में 6500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। अब तक इसके तहत 10 लाख से अधिक महिलाओं को 2500 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने 5 साल पहले महिलाओं को 1000 रुपये देने का वादा किया था जिसे अब चुनाव सिर पर आने के समय वोट लेने की नीयत से लागू किया गया है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब की वर्तमान सरकार चुटकुलों की सरकार बनकर रह गई है। लेकिन जनता अब समझने लगी है कि चुटकुलों से सिनेमाघर तो चल सकते हैं, सरकार नहीं चलती। आज पंजाब की जनता को मिलकर फैसला करना है कि पंजाब को गुमराह करने वालों को वोट की चोट से सबक सिखाना है और प्रदेश को विकास की राह पर आगे बढ़ाने के लिए यहां नरेंद्र मोदी की डबल इंजन सरकार बनानी है। मुख्यमंत्री ने पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी मान सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां अमन-चैन कायम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां भी हरियाणा की नीतियों को लागू किया जाएगा जहां किसानों की सभी 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जाता है और युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 2 लाख मेहनती व योग्य युवाओं को नौकरियां दी गई हैं जबकि पंजाब में ज्यादातर भर्तियां कोर्ट केस में फंसी हुई हैं। कभी नंबर-एक रहा पंजाब आज सरकार की गलतियों के कारण विकास के मामले में बहुत पिछड़ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मुहैया करवाए जा रहे हैं। पिछले 12 साल में 1.60 लाख परिवारों को रहने के लिए मकान दिए गए हैं। जिन लोगों के पास मकान बनाने के लिए जमीन नहीं थी उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में 100 गज तथा शहरी क्षेत्रों में 30 गज के प्लाट भी दिए गए हैं। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पंजाब की जनता भाजपा को वोट देकर यहां के विकास को चुनें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव श्री तरुण भंडारी, स. अरुण वालिया, देवेंद्र वालिया, सुशील रिंकू, जिला अध्यक्ष स. अशोक सरीन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य स. दिनेश ढल्ल, एमडी प्रिंस चोपड़ा, पार्षद रवि कुमारी, गुरप्रीत विक्की व बबलू पंडित सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कमरतोड़ महंगाई से आम आदमी परेशान, राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए सरकार : कुमारी सैलजा

अनप्लग इंडिया

सिरसा। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य कुमारी सैलजा ने देश में बढ़ती महंगाई पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग के परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित किया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 प्रतिशत पहुंच गई, जबकि खाद्य पदार्थों की महंगाई 8.94 प्रतिशत दर्ज की गई। बारह प्रमुख उपभोक्ता श्रेणियों में से ग्यारह में कीमतों में वृद्धि होना चिंताजनक है। विशेष रूप से प्याज, सब्जियों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का सबसे अधिक असर सीमित आय वाले परिवारों पर पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार को महंगाई के वास्तविक कारणों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण, आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता तथा बाजार की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि महंगाई का सीधा संबंध रोजगार, आमदनी और आम नागरिक की क्रयशक्ति से है। जब परिवारों की आय के मुकाबले खर्च लगातार बढ़ता है, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसी बुनियादी आवश्यकताएं प्रभावित होती हैं। सांसद ने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसान हितों की रक्षा, रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा और कमजोर वर्गों को आर्थिक संबल देने की पक्षधर रही है।कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से मांग की कि महंगाई पर नियंत्रण के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए तथा गरीब, मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग को वास्तविक आर्थिक राहत प्रदान की जाए।

सरकारी स्कूलों में असुरक्षित पेयजल गंभीर चिंता का विषय, बच्चों के स्वास्थ्य से समझौता स्वीकार नहीं : कुमारी सैलजा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पेयजल की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 398 स्कूलों में पानी के नमूने पीने योग्य नहीं पाए गए, जबकि कैथल जिले में सर्वाधिक 69 स्कूलों के नमूने असुरक्षित मिले हैं। सांसद ने कहा कि प्रदेश के 14,297 सरकारी स्कूलों में से केवल 6,469 में ही पानी की जांच होना चिंताजनक है। कुमारी सैलजा ने मांग की कि सभी सरकारी स्कूलों में पेयजल की तत्काल जांच करवाई जाए तथा आवश्यकता के अनुसार आरओ सिस्टम और अन्य शुद्धिकरण व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

डॉक्टरों के दबाव में पुलिस ने एफआईआर से हटाए नाम, डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा ने इस पर उठाए सवाल

अनप्लग इंडिया

जींद। जींद के सिविल अस्पताल में मरीज के साथ मारपीट के मामले में पुलिस द्वारा एफआईआर से डॉक्टरों के नाम हटाने के तरीके पर खुद भाजपा विधायक एवं विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर असहमति जताते हुए कहा कि डॉक्टरों के दबाव में आकर पुलिस ने एफआईआर से उनके नाम हटाए हैं। यह उचित नहीं है। उन्होंने डॉक्टरों द्वारा एमरजेंसी वार्ड की सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाने को भी गलत और कानून के खिलाफ बताया। शुक्रवार को दोपहर बाद जींद में पत्रकारों से बातचीत में डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि मरीज परेशानी के चलते कुछ उत्तेजित जरूर हुआ था, लेकिन उसने किसी के साथ मारपीट नहीं की। इसके उलट अस्पताल में मरीज के साथ मारपीट की गई। उसे जानवरों की तरह पीटा गया और घसीटा गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में अस्पताल के कुछ डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी, लेकिन विभागीय जांच और डीसी के आदेश पर करवाई जा रही जांच पूरी



होने से पहले ही पुलिस ने जिस तरह डॉक्टरों के नाम एफआईआर से हटाए, उससे वह सहमत नहीं हैं।

डॉक्टर्स के दबाव में आया पुलिस प्रशासन-डॉ. मिड्ढा ने कहा कि डॉक्टरों ने पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाया और पुलिस ने उसी दबाव में आकर यह कदम उठाया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि एमरजेंसी वार्ड की सीसीटीवी फुटेज डॉक्टरों ने किस अधिकार से सार्वजनिक की। इस तरह फुटेज सार्वजनिक करना भी कानून के खिलाफ है और ऐसा नहीं होना चाहिए था। विधानसभा उपाध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने सिविल सर्जन और उपायुक्त को इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। किसी के दबाव में आकर न तो किसी को बचाया जाना चाहिए और न ही किसी के साथ अन्याय होना चाहिए।

नूंह: पुन्हाना में 'क्रिकेट बॉक्स' और 'फुटबॉल बॉक्स' का शुभारंभ

अनप्लग इंडिया

नूंह । हरियाणा स्थित नूंह जिले में पहली बार बॉक्स क्रिकेट और फुटबॉल बॉक्स का प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है। शुक्रवार को इसका उद्घाटन डीसी अखिल पिलानी ने पुन्हाना के एनडीएम पब्लिक स्कूल गोधोला रोड पर किया, जिसमें खेल प्रेमियों सहित चंद्रकला खरबंदा अध्यक्ष एनडीएम समिति और उनसे जुड़े निदेशक प्रभारी शामिल रहे, साथ ही जिले के कई वरिष्ठ क्रिकेटर और खेल प्रेमी भी मौजूद रहे। इस मौके पर डीसी अखिल पिलानी ने पांच मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर भी सम्मानित किया। मेवात के पुन्हाना में चंद्रकला खरबंदा अध्यक्ष एनडीएम समिति के माध्यम से एनडीएम पब्लिक स्कूल गोधोला रोड में इस इनडोर गेम्स को बढ़ावा देने के लिए पहली बार बॉक्स क्रिकेट और फुटबॉल बॉक्स सेंटर का शुभारंभ किया गया है, ऐसा मेवात में पहली बार है। उद्घाटन समारोह के दौरान डीसी अखिल पिलानी ने बताया कि एनडीएम स्कूल पुन्हाना में शुक्रवार को एक इनडोर स्टेडियम का शुभारंभ हुआ है, जिसमें बॉक्स क्रिकेट और फुटबॉल खेली जा सकती है। यह



बहुत अच्छी पहल है, मेवात में पहली बार इस तरह की अच्छी सकारात्मक पहल की गई है।

उन्होंने कहा कि गुड़गांव जैसे शहरों में उन्होंने इस तरह के स्टेडियम और खेल के प्लेटफॉर्म देखे हैं, लेकिन नूंह में यह पहला है, इसके लिए स्कूल प्रबंधन बधाई का पात्र है और आगे भी प्रयास रहेगा कि नूंह में और जगह पर भी इस तरह यूथ को और स्कूल के बच्चों को खेल का सही प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो।

इस दौरान उन्होंने कहा कि पांच मेधावी छात्रों को लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया, यह भी अच्छा संदेश है, डिजिटल दौर में लैपटॉप पढ़ाई का एक अच्छा हिस्सा है और महत्वपूर्ण संसाधन है और उनकी उम्मीद है कि बच्चे इसका सही उपयोग करेंगे।

वहीं प्राइवेट स्कूल संचालन करने वाले वरिष्ठ समाजसेवी जीएस मलिक ने इस मौके पर कहा कि प्राइवेट स्कूल संगठन के जिला अध्यक्ष पंकज खरबंदा ने एक अच्छी शुरुआत स्कूल में की है, जो शुरुआत उन्होंने खेल को लेकर की है उसकी जितनी तारीफ की जाए वह कम है।

इस मौके पर स्कूल प्रबंधन संचालन समिति ने बताया कि स्कूल में इस तरह की उपलब्धि को लेकर वह संतुष्ट हैं और स्कूल में कई प्रकार के खेलों का आयोजन करना उनकी जिम्मेदारी है और एक अच्छा कार्य करने को लेकर वह संतुष्ट हैं, कामना करते हैं कि बच्चे इसका फायदा उठाएंगे और देश का नाम रोशन करेंगे और इसका अच्छे से संचालन होगा।

स्कूल में इनडोर खेल के लिए केंद्र का शुभारंभ होने पर छात्रों ने खुशी जताते हुए इसे अच्छी पहल बताया है। छात्रों का कहना है कि खेल को लेकर मेवात के बच्चों में रुचि बहुत ज्यादा होती है, उन्हें संसाधन की जरूरत है।

इस दौरान उन बच्चों ने भी अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की, जिन्हें डीसी अखिल पिलानी द्वारा लैपटॉप वितरित किया गया था। उन्होंने कहा कि इससे उनका हौसला बढ़ता है। इसके साथ ही अन्य बच्चों को प्रोत्साहन मिलता है। जब पुरस्कार में कोई चीज मिलती है तो अन्य बच्चों में भी चाह बढ़ जाती है, वह चाहते हैं कि उन्हें भी इनाम मिले, खासकर डिजिटल उपकरण जैसे लैपटॉप या टैबलेट।

छठ पूजा के लिए अस्थायी घाटों के निर्माण में जुटी संस्थाएं

अनप्लग इंडिया

गुडगांव : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी छठ घाटों का निर्माण युद्धस्तर पर किया जा रहा है, जहां रविवार और सोमवार नवंबर को व्रती डूबते सूर्य और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। 4 दिवसीय इस महापर्व को लेकर पूरे शहर के श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। पूर्वांचल और बिहार मूल के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाली विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाएं इस आयोजन को भव्य और सफल बनाने में पूरी तरह से जुटी हुई हैं। कादीपुर कम्युनिटी सेंटर, बसई तालाब, न्यू पालम विहार, सरस्वती एन्क्लेव और लेबर चौक सेक्टर-5 सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर घाटों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कई स्थानों पर जेसीबी की मदद से अस्थायी कुंड तैयार कर टैंकरों के माध्यम से स्वच्छ जल भरने



की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कई बहुमंजिला सोसाइटियों में भी स्विमिंग पूल परिसर को सजाकर छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन स्थलों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए समितियों द्वारा टेंट, पर्याप्त रोशनी (लाइट), साउंड सिस्टम और स्वच्छ पेयजल की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। इस कार्य में नगर निगम प्रशासन का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। निगम की टीमें घाटों के आसपास साफ-सफाई, कचरा उठान और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वहीं, सुरक्षा के मद्देनजर प्रमुख घाटों पर पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें। वहीं महिलाएं पूनम, रुपा आदि आज होने वाले खरना पर्व के लिए प्रसाद निर्माण में जुटी हुई हैं। पर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

छठ पूजा पर घर जाने के लिए पानीपत रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का सैलाब, बिहार के लिए सीधी ट्रेन चलाने की मांग

अनप्लग इंडिया

पानीपत । लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के रहने वाले प्रवासी श्रमिकों व उनके परिवारों में अपने घर लौटने की होड़ लगी हुई है। छठी मैया की पूजा करने और परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए हजारों लोग अपने घर रवाना हो रहे हैं। हालात यह हैं कि ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही। कई यात्री जान जोखिम में डालकर ट्रेन के दरवाजों पर लटककर, बाथरूम के आसपास बैठकर और खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं। स्टेशन पर पहुंचे लोगों का कहना है कि चुनाव के समय राजनीतिक दलों और नेताओं को बिहार के लोगों की याद आ जाती है और उनसे वोट मांगे जाते हैं, लेकिन जब छठ जैसे बड़े त्योहार पर घर जाने की बारी आती है तो उनके लिए अतिरिक्त ट्रेनों और ठहराव की व्यवस्था नहीं की जाती। बिहार के सिवान जिले में छठ पूजा करने जा रही सुनीता मिश्रा ने बताया कि ट्रेनों में इतनी भीड़ है कि यात्रियों को चढ़ने तक की जगह नहीं मिल रही। उन्होंने सरकार से मांग की कि त्योहार के



दौरान बिहार के लिए अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएं। दिल्ली से बिहार जाने वाली ट्रेनों का पानीपत रेलवे स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए। पानीपत में यूपी-बिहार के हजारों लोग रोजी-रोटी कमाने के लिए रहते हैं। त्योहार पर सभी अपने परिवार के पास जाना चाहते हैं, लेकिन रेल सुविधा नहीं होने से उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। पहले भी दिल्ली से चलने वाली ट्रेनों के पानीपत में ठहराव की बात कही गई थी, लेकिन इसका कोई समाधान नहीं हुआ।

यात्री आकाश कुमार ने कहा कि दो महीने से प्रयास करने के बावजूद कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा। मजबूरी में जनरल टिकट लेकर भीड़ में सफर करना पड़ रहा है। चाहे ट्रेन में लटककर जाना पड़े या कितनी भी परेशानी उठानी पड़े, वे छठ पूजा करने अपने गांव जरूर जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं होने के कारण लाखों लोग दूसरे राज्यों में मजदूरी करने आते हैं। पानीपत की फैक्ट्रियों में भी बड़ी संख्या में बिहारी श्रमिक काम करते हैं। उन्होंने छठी मैया से मनोकामना मांगी कि भविष्य में उन्हें रोजी-रोटी कमाने के लिए दूसरे प्रदेशों में न आना पड़े और अपने गांव में ही रोजगार मिल सके। छपरा जिले के रहने वाले उमाशंकर ने कहा कि यदि बिहार में पर्याप्त रोजगार और कंपनियां होतीं तो उन्हें हजार किलोमीटर दूर पानीपत में काम करने के लिए नहीं आना पड़ता। दो महीने से टिकट पाने का प्रयास करने के बावजूद टिकट नहीं मिला। छठ बिहार का सबसे बड़ा त्योहार है, इसके बावजूद यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त ट्रेनें नहीं चलाई जा रहीं। लोगों को बाथरूम के आसपास बैठकर और ट्रेन के दरवाजों पर लटककर सफर करना पड़ रहा है। भीड़ में धक्का-मुक्की के बीच यात्रियों की जान पर खतरा बना हुआ है, लेकिन उनकी परेशानी सुनने वाला कोई नहीं है।

सतीश कुमार ने बताया कि वह पानीपत की एक लेबर कंपनी में काम करते हैं और छठ पूजा के लिए अपने घर जा रहे हैं। वह दिव्यांग हैं, इसके बावजूद उन्हें सफर के लिए कोई विशेष सुविधा नहीं मिल रही। पहले पानीपत से परखा एक्सप्रेस चलती थी, लेकिन उसे भी बंद कर दिया गया। उन्होंने मांग की कि पानीपत से बिहार के लिए कम से कम दो ट्रेनें नियमित रूप से चलाई जाएं, ताकि मजदूर और प्रवासी परिवार बिना परेशानी के अपने घर पहुंच सकें।

संक्षिप्त डायरी

बढ़ती जा रही डाकघर में घोटाले की रकम, कई और लोग शिकायत लेकर पहुंचे, कहा- सारी पूंजी डूबी

अनप्लग इंडिया

कानपुर घाटमपुर उप डाकघर में एफडी और बचत खातों के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बृहस्पतिवार को कई और पीड़ित खाताधारक कार्यालय पहुंचे, जिन्होंने कैश काउंटर पर रकम जमा करने के बाद विभाग द्वारा पासबुकों को फर्जी बताए जाने पर अपनी जीवनभर की पूंजी डूबने की आशंका जताई है। कानपुर के घाटमपुर उप डाकघर में एफडी का लाखों का घोटाला करोड़ों रुपये तक पहुंच गया है। नवंबर के पहले सप्ताह में सामने आने के बाद अब बृहस्पतिवार को कई खाताधारक कार्यालय पहुंचे। उनका आरोप है कि उन्होंने डाकघर के कैश काउंटर पर नकद रकम जमा की थी। इसके बदले उन्हें डाक विभाग की मुहर और हस्ताक्षर वाली पासबुक भी दी गई। अब जब वह अपनी जमा पूंजी वापस मांग रहे हैं, तो डाक विभाग पासबुकों को फर्जी बता रहा है। इससे उनकी जीवन भर की कमाई डूबती दिखाई दे रही है। कार्यालय पहुंचे भदरस गांव निवासी अवधेश कुमार शुक्ला ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 और 2023 में पांच-पांच लाख रुपये की दो एफडी कराई थीं। दोनों की पासबुक में डाक विभाग की मुहर और हस्ताक्षर भी मौजूद हैं। ओमप्रकाश मिश्रा ने बताया कि छह जुलाई 2026 को उन्होंने पत्नी मुन्नी देवी के साथ संयुक्त खाते में ढाई लाख रुपये जमा किए थे। इसके अलावा मकान बेचकर मिले चार लाख रुपये दूसरे खाते में जमा किए थे। डाक एजेंट के रूप में काम कर रहा था शैलेंद्र इसी तरह धीरेंद्र ने बताया कि 30 लाख, राजेंद्र ने बताया कि 40 लाख रुपये डाकघर में जमा किए थे। इसके अलावा श्याम बाबू यादव, महेश पाल व ब्रजेंद्र यादव ने भी रुपये जमा करने की बात कही। सभी खाताधारकों का कहना है कि उन्होंने रकम डाकघर के कैश काउंटर पर जमा की थी। उस समय कार्यालय के अंदर भदरस निवासी शैलेंद्र पांडेय समेत अन्य डाककर्मी मौजूद रहते थे। शैलेंद्र डाक एजेंट के रूप में काम कर रहा था। वह डाकघर के अंदर बैठकर लोगों के खाते खुलवाने और जमा संबंधी काम करता था। फर्जी मुहर लगी पासबुक दी थीं उन्होंने डाकघर के कर्मचारियों की मौजूदगी में ही उस पर भरोसा कर-के रकम जमा की थी। अब जिम्मेदार अधिकारी शैलेंद्र को विभाग का कर्मचारी मानने से इन्कार कर रहे हैं और पूरी जिम्मेदारी उसी पर डाल रहे हैं। वहीं, डाक अधीक्षक कानपुर मंडल रवि कुमार ने बताया कि शैलेंद्र पांडेय नाम का विभाग का कोई एजेंट नहीं है। उनके मुताबिक लोगों ने शैलेंद्र के माध्यम से खाते खुलवाए थे और उसी ने उन्हें फर्जी मुहर लगी पासबुक दी थीं। मामले की जांच और विभागीय कार्रवाई की जा रही है। घाटमपुर डाकघर में एजेंट और कर्मचारियों की मिलीभगत से ग्राहक के आठ लाख रुपये से अधिक हड़पने का मामला सबसे पहले प्रकाश में आया था। मूलरूप से घाटमपुर निवासी और वर्तमान में शहर में रहने वाली आकांक्षा चौरसिया के पिता जितेंद्र चौरसिया ने वर्ष 2007 में एजेंट शैलेंद्र पांडेय के माध्यम से डाकघर में खाता खुलवाया था। वर्ष 2012 में उनके पिता की मृत्यु के बाद एजेंट ने खाता मां के नाम स्थानांतरित कराने की बात कही। तीन सदस्यीय टीम गठित कर जांच शुरू कर दी 2024 में मां की मृत्यु के बाद आकांक्षा जमा रकम निकालने डाकघर पहुंचीं, तो पता चला कि माता-पिता के नाम कोई खाता ही नहीं है। शिकायत पर डाक विभाग ने पिछले दिनों उपडाकपाल राकेश मिश्रा और क्लर्क शिवम सचान को निलंबित कर दिया था। साथ ही, तीन सदस्यीय टीम गठित कर जांच भी शुरू कर दी है। डाक निदेशक अनुसुइया प्रसाद के मुताबिक मामले की जांच चल रही है। 5-6 और ग्राहकों ने शिकायत की है। इसकी भी जांच शुरू कर दी है। पासबुक जारी होने और उस पर मुहर लगने की भी जांच हो रही है।

आज से शुरू हो रहा छठ पर्व, 55 घाटों पर गूंजेंगे छठी मैया के गीत, 36 घंटे निर्जला व्रत रखेंगी महिलाएं

अनप्लग इंडिया

कानपुर कानपुर में शुक्रवार से चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरूआत हो रही है, जिसके लिए शहर भर में 20 कृत्रिम घाटों समेत कुल 55 घाट तैयार किए गए हैं। महिलाएं 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखकर नहाय-खाय से लेकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक के पारंपरिक अनुष्ठान करेंगी। कानपुर में छठ महापर्व की शुरूआत शुक्रवार से होगी। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में महिलाएं 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा-अर्चना करेंगी। शहर में पूजा के लिए 55 घाट तैयार किए गए हैं। इनमें 20 कृत्रिम घाट हैं। पर्व के दौरान व्रती पवित्र स्नान, उपवास, प्रसाद तैयार करने और सूर्य को अर्घ्य देने जैसे कठिन अनुष्ठान करेंगी। ज्योतिषाचार्य प्रीति अग्निहोत्री और आचार्य पवन तिवारी ने बताया कि छठ पर्व दीपावली के छठे दिन से शुरू होता है। यह वैदिक काल से मनाया जा रहा है। ऋग्वेद में सूर्य और उषा की पूजा का उल्लेख मिलता है। आर्य परंपरा में भी सूर्य उपासना का विशेष महत्व है। लोक मान्यता के अनुसार सूर्यदेव और छठी मैया भाई-बहन हैं। लोकमातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। षष्ठी देवी को कात्यायनी माता के नाम से भी जाना जाता है। एक कथा के अनुसार, प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं की हार के बाद देवमाता अदिति ने तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य स्थित देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। प्रसन्न होकर छठी मैया ने उन्हें तेजस्वी पुत्र का वरदान दिया। इसके बाद त्रिदेव स्वरूप आदित्य भगवान का जन्म हुआ, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। दूसरी कथा के अनुसार, पांडवों के जुए में राजपाट हारने पर श्रीकृष्ण के कहने पर द्रौपदी ने छठ व्रत रखा था। इससे उनकी मनोकामनाएं पूरी हुईं। नहाय-खाय से उषा अर्घ्य तक पूजा पहले दिन नहाय-खाय में सेंधा नमक, घी से बने अरवा चावल और कद्दू की सब्जी प्रसाद के रूप में ग्रहण की जाती है। दूसरे दिन खरना या लोहंडा पर व्रती दिनभर अन्न-जल त्यागते हैं। शाम करीब सात बजे खीर बनाकर पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करते हैं। तीसरे दिन डूबते सूर्य को दूध से अर्घ्य दिया जाताहै। चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत पूरा किया जाता है। खगोलीय परिवर्तन की भी मान्यता मान्यता है कि छठ के दौरान सूर्य की पराबैंगनी किरणें पृथ्वी की सतह पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्र होती हैं। पर्व के अनुष्ठानों से जीवों को इनके हानिकारक प्रभाव से बचाने में मदद मिलती है।

सुनसान मैदान में मिला अज्ञात युवक का शव, ईंट-पत्थर से कुचला था सिर और चेहरा, शिनाख्त में जुटी पुलिस

अनप्लग इंडिया

कानपुर चकेरी थाना क्षेत्र के टटीयन गांव स्थित सुनसान मैदान में शुक्रवार सुबह एक युवक का ईंट और पत्थरों से कुचला हुआ शव मिला है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाकर मृतक की शिख्त और हत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत टटीयन गांव में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां एक सुनसान मैदान में खून से लथपथ और ईंट-पत्थरों से कुचला हुआ एक अज्ञात युवक का शव मिला है। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि शातिर बदमाशों ने युवक की बेरहमी से हत्या करने के बाद उसकी पहचान छिपाने के इरादे से उसका चेहरा और सिर पत्थरों से बुरी तरह कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम को मौके से खून से सनी ईंट और कई अन्य अहम साक्ष्य मिले हैं, जिन्हें कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान के प्रयास में जुटी है। जुए का अड्डा होने का गंभीर आरोप घटनास्थल के आसपास के स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस खाली मैदान में यह शव बरामद हुआ है। वहां अक्सर जुआ खेलने वाले और संदिग्ध प्रवृत्ति के लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मैदान में जुए के साथ-साथ कई तरह की अनैतिक गतिविधियां भी संचालित होती रहती हैं। ऐसे में अंदेशा जताया जा रहा है कि इस खूनी वारदात के पीछे जुए के दौरान हुआ कोई विवाद या पुरानी आपसी रंजिश हो सकती है।

गंगा सफाई के दावों के बीच घाटों पर नालों की गंदगी, छठ पर हजारों महिलाएं करेंगी स्नान

अनप्लग इंडिया



चंदौली चंदौली जिले में एक तरफ छठ पूजा की तैयारी चल रही, वहीं दूसरी ओर घाटों पर नालों की गंदगी बह रही है। हैरान करने वाली बात ये है कि छठ पूजा पर हजारों महिलाएं गंगा के पानी में स्नान करेंगी। एक तरफ छठ महापर्व की तैयारियां चल रही हैं तो दूसरी तरफ गंगा में गिर रहे नालों का गंदा पानी पर्व की पवित्रता और नदी की स्वच्छता पर सवाल खड़े कर रहा है। पड़ाव के बहादुरपुर से अवधूत भगवान राम घाट तक महज 500 मीटर के दायरे में चार स्थानों पर नालों का पानी सीधे गंगा में गिर रहा है। वाराणसी और चंदौली जिले की सीमा पर स्थित बहादुरपुर सहित आसपास के करीब 12 गांवों के लोग अवधूत भगवान राम घाट से लेकर बहादुरपुर तक गंगा किनारे छठ पूजा करते हैं। पर्व के दौरान यहां हजारों श्रद्धालु जुटते हैं। इनमें तीन हजार से अधिक महिलाएं व्रत रखकर गंगा में स्नान और पूजन करती हैं। हालांकि, घाट तक पहुंचने से पहले ही गंगा किनारे कई जगह नालों का गंदा पानी नदी में गिरता दिखाई देता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, चार नालों के जरिये आसपास का गंदा पानी सीधे गंगा में पहुंच रहा है। इनके पानी को रोकने, शोधित करने अथवा दूसरी जगह ले जाने के लिए कोई स्थायी इंतजाम नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या आज की नहीं, बल्कि करीब तीन दशक पुरानी है। इतने लंबे समय में कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया, लेकिन नालों के पानी के निस्तारण की ठोस व्यवस्था नहीं हो सकी। जिससे रोजाना नालों का पानी गंगा में मिल रहा है। व्रती महिलाएं इसी जल में स्नान करती हैं। पूजा में इस्तेमाल होने वाले फल और अन्य सामग्री को भी गंगा के पानी से धोया जाता है। ऐसे में गंदे पानी का सीधे नदी में गिरना श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता है। वहीं जल निगम वाराणसी के एक्सईएन एके सिंह ने बताया कि गंगा में गिर रहे नाले को रोकने के लिए योजना बनाई जा रही है। गंगा उस पार बड़ा सीवेज ट्रिटमेंट प्लांट भी बन रहा है। जिससे काफी हद तक समस्या का समधान होगा। वाराणसी-चंदौली में 76 में से 31 नाले नहीं हुए टैप एनजीटी की रिपोर्ट में स्टॉर्म वाटर ड्रेन और गंगा की सहायक नदी असि में अवैध टैपिंग को पर्यावरणीय कानूनों का उल्लंघन बताया गया था। ट्रिब्यूनल में सुनवाई के दौरान राज्य कार्ययोजना में सामने आया कि वाराणसी और चंदौली जिलों में कुल 76 नाले गंगा और वरुणा नदियों में गिरते हैं। इनमें से 31 नालों की टैपिंग अब तक पूरी नहीं हुई है। इसके चलते बड़ी मात्रा में बिना शोधित सीवेज सीधे नदियों में पहुंच रहा है। तीन दशक से समस्या, समाधान का इंतजार बहादुरपुर से अवधूत भगवान राम घाट तक गंगा किनारे नालों का गिरना केवल छठ पर्व तक सीमित समस्या नहीं है। यह पूरे वर्ष नदी की स्वच्छता र को प्रभावित करने वाला मामला है। स्थानीय लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग नालों का सर्वे कराएं। उनके पानी की निकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए और जहां संभव हो, वहां सीवेज ट्रीटमेंट की व्यवस्था की जाए। साथ ही, छठ पर्व से पहले घाटों के आसपास गंदे पानी के सीधे प्रवाह को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। यहां हर साल बड़ी संख्या में हम लोग छठ करने आती हैं। गंगा किनारे नालों का पानी गिरने से भीषण बदबू आती है। उसी पानी में स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देना पड़ता है। प्रशासन को पर्व से पहले इसकी व्यवस्था करनी चाहिए। -गुड़िया, रतनपुर वर्षों से नालों का पानी गंगा में गिर रहा है। पर्व के समय हजारों महिलाएं यहां आती हैं। प्रशासन को इस समस्या का स्थायी समाधान कराना चाहिए। -राजकुमारी सिंह, कैलाशपुरी छठ में गंगा स्नान और अर्घ्य का विशेष महत्व है। हम पूजा में हर चीज की शुद्धता का ध्यान रखते हैं। ऐसे में गंगा में गंदा पानी गिरना ठीक नहीं है। आसपास के गांवों की तीन हजार से ज्यादा महिलाएं यहीं पूजा करती हैं। -नीरू शर्मा, मढ़िया गंगा को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी सभी की है। नालों का पानी सीधे नदी में नहीं जाना चाहिए। छठ से पहले इसकी रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। -नीलम सिन्हा, यूरोपियन कॉलोनी अधिकारी बोले गंगा किनारे गिरने वाले बड़े नाले वाराणसी परिक्षेत्र में आते हैं।

जनरल कोच में जगह नहीं, ट्रेन के बाथरूम में बैठकर बिहार जा रहे यात्री; जोखिम भरा सफर करने को मजबूर

अनप्लग इंडिया

चंदौली। छठ की भीड़ ने ट्रेनों का दम तोड़ दिया है। बिहार जाने वाली ट्रेनों में जनरल कोच में पैर रखने तक की जगह नहीं है। आरक्षित टिकट नहीं मिलने पर जनरल टिकट लेकर सफर कर रहे यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। छठ महापर्व पर घर पहुंचने की ऐसी मजबूरी कि ट्रेन में सीट तो दूर, खड़े होने तक की जगह नहीं मिल रही है। नतीजतन यात्रियों को बाथरूम में बैठकर सफर करना पड़ रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) जंक्शन से बिहार जाने वाली ट्रेनों में इन दिनों यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। जनरल कोच में पैर रखने तक की जगह नहीं है। आरक्षित टिकट नहीं मिलने पर जनरल टिकट लेकर सफर कर रहे यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। छठ पर परिवार के बीच पहुंचने की चाह में लोग जोखिम उठाकर यात्रा करने को मजबूर हैं। छठ पर्व को लेकर दिल्ली, मुंबई और देश के दूसरे हिस्सों में काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में बिहार लौट रहे हैं। डीडीयू जंक्शन बिहार जाने वाली ट्रेनों का प्रमुख पड़ाव होने के कारण यहां यात्रियों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रेनों के जनरल कोच में पहले से ही क्षमता से अधिक यात्री सवार हो रहे हैं। ऐसे में बाद के स्टेशनों से चढ़ने वाले यात्रियों को जगह नहीं मिल पा रही है। बिहार निवासी सुनील और अशोक ने बताया कि उन्होंने नई दिल्ली से यात्रा शुरू की थी। छठ पर घर पहुंचने के लिए ट्रेन पकड़ी, लेकिन जनरल कोच में उन्हें बैठने की जगह नहीं मिली। काफी देर तक खड़े रहने के बाद दोनों बाथरूम में बैठकर सफर करने को मजबूर हुए। यात्रियों का कहना है कि छठ पर्व हर साल आता है और इस दौरान बिहार जाने वाली ट्रेनों में भीड़ बढ़ना पहले से तय रहता है। लोगों ने रेल प्रशासन से बिहार के प्रमुख शहरों और स्टेशनों के लिए अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलाने तथा मौजूदा ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ाने की मांग की है।

आंख में घोंपा सूजा, फिर बेरहमी से मार डाला, दोस्त को दी भयानक मौत; पुलिस ने किया गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया



फिरोजाबाद फिरोजाबाद के सिरसागंज में पल्लेदार फहीम अहमद की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, नैना नाम की महिला से संबंधों के शक में आरोपी आमिर ने फहीम को शराब पिलाकर सूजा घोंपकर मार डाला। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के बाद आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया है। फिरोजाबाद के थाना सिरसागंज क्षेत्र के नेशनल हाईवे के पास 10 नवंबर की शाम मिले बरेली के पल्लेदार फहीम अहमद के क्षत-विक्षत शव के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि युवक की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि दूसरे कोल्ड स्टोरेज पर काम करने वाले एक अन्य पल्लेदार ने ही प्रेम प्रसंग और शक के चलते की थी। बृहस्पतिवार रात पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान मुख्य आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी ने बताया कि 10 नवंबर को थाना सिरसागंज क्षेत्र में राधे मोड़ के पास हाईवे किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिला था, जिसकी शिनाख्त बाद में बरेली के शीशगढ़ (बिलासपुर बस अड्डा) निवासी फहीम अहमद (35) पुत्र बाबू के रूप में हुई थी। इस घटना के संबंध में थाना सिरसागंज पर मृतक के बहनोई की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया था। बृहस्पतिवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि हत्यारोपी आमिर उर्फ सलमान खान पुत्र असमुद्दीन खान निवासी अहमदपुर, थाना सिरसागंज, अहमदपुर बंबा के पास से कहीं जा रहा है। सूचना मिलते ही सतर्क हुई पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया। घेराबंदी देख अभियुक्त ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त बाइक, एक सूजा, रक्तसने कपड़े, मृतक का क्षतिग्रस्त मोबाइल, पर्स तथा एक 315 बोर का तमंचा, 2 खोखा व 1 कारतूस बरामद हुआ है। शराब पिलाकर उतारा मौत के घाट, सीसीटीवी फुटेज ने खोली साजिश की परतें पल्लेदार फहीम अहमद की हत्या की परतें खुलीं तो पुलिस भी सन्न रह गई। पुलिस पूछताछ में आरोपी आमिर उर्फ सलमान खान ने जो खुलासे किए, उससे साफ हो गया कि उसने पूरी योजना के तहत फहीम को मौत के घाट उतारा था। फहीम सिरसागंज में आरपी कोल्ड स्टोर पर रहकर पल्लेदारी करता था। वह 8 नवंबर से अचानक लापता हो गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी आमिर उर्फ सलमान 8 नवंबर को साजिश के तहत फहीम को कोल्ड स्टोर से अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया था। करहल तिराहा पर जाकर दोनों ने शराब खरीदी थी, और इस दौरान वहां के सीसीटीवी कैमरों में दोनों कैद हुए थे। इसके अलावा, जब आमिर अपनी बाइक में पेट्रोल डलवाने गया था, तब भी फहीम उसके साथ बाइक पर मौजूद था।

जिस घर में गूंजने वाली थी किलकारी, वहां पसरा मातम, खेत में मिला पान विक्रेता का शव; हत्या की आशंका

अनप्लग इंडिया



आजमगढ़ आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के अमिलो गांव में हैरान करने वाला मामला सामने आया। शुक्रवार की सुबह पान विक्रेता का शव मिलने से मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के अमिलो महाजन का बाग में शुक्रवार सुबह एक पान विक्रेता का शव खेत में मिला। मृतक की पहचान 32 वर्षीय रविकांत उर्फ हीरा के रूप में हुई है। परिजनों ने रविकांत की हत्या का आरोप लगाया है। शुक्रवार की सुबह लोगों ने शौच के लिए जाते समय शव देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। पुलिस और परिजनों ने शव की शिनाख्त की। पुलिस को शव पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। गर्भवती पत्नी का छीन गया सहारा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के मोर्चरी हाउस भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का खुलासा हो पाएगा। सीओ सदर ईश्वर लाल गुर्जर और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण किया। पुलिस अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। मृतक रविकांत चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसका एक भाई खाड़ी देश में काम करता है। रविकांत की पत्नी खुशबू गर्भवती है। उनकी शादी करीब एक साल पहले हुई थी। सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस पुलिस घटना का खुलासा करने के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। इस मामले की जांच के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है।

एसआईआर में नाम कटने पर भाजपा का बड़ा मंथन, लखनऊ में पंकज चौधरी ने बुलाई बैठक; सीएम योगी भी हुए शामिल

अनप्लग इंडिया



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा ने अभियान तेज करने की तैयारी की है। लखनऊ में 700 से अधिक पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। पार्टी ने हर बूथ पर 100 नए मतदाता जोड़ने का लक्ष्य रखा है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर छूटे नाम जुड़वाने में मदद करेंगे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मतदाता सूची से 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम कटने को लेकर सवाल उठाए जाने के बाद भाजपा संगठन सक्रिय हो गया है। इसी सिलसिले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में संगठन की बड़ी बैठक बुलाई है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दोपहर शामिल हुए। बैठक में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर सहित प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर के वरिष्ठ नेता मौजूद हैं। करीब 700 से अधिक पदाधिकारियों को इस बैठक में बुलाया गया है। इनमें जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, जिला और विधानसभा मतदाता प्रमुख तथा आईटी संयोजक शामिल हैं। बैठक में रक्फ के दौरान छूटे मतदाताओं तक पहुंचने और उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की रणनीति पर चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मतदाता सूची में नाम कटने को लेकर चिंता जताए जाने के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भरोसा दिया था कि विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ता हर घर तक पहुंचेंगे। उन्होंने कार्यकताओं को छूटे हुए मतदाताओं के नाम जुड़वाने की जिम्मेदारी सौंपने की बात कही थी। अब संगठन की इस बैठक में अभियान की रूपरेखा और जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

30 मिनट की लीला में 22 फीट के कालियानाग का कान्हा करेंगे मर्दन, तुलसी घाट बनेगा गोकुल; उमड़ेगी भीड़

अनप्लग इंडिया



वाराणसी तुलसी घाट पर आज नागनथैया लीला का आयोजन होगा। करीब 30 मिनट की लीला में 22 फीट लंबे कालियानाग का कान्हा मर्दन करेंगे। इस दौरान तुलसी घाट गोकुल और उत्तरवाहिनी गंगा यमुना के रूप में नजर आएगी। 20 फीट ऊंचे कदंब की डाल से कान्हा छलांग लगाएंगे। लीला दोपहर तीन बजे शुरू होगी, जबकि मुख्य लीला शाम 4:40 बजे होगी। काशी के लक्खा मेलों में शुमार नागनथैया की लीला कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को शुक्रवार की शाम तुलसीघाट पर जीवंत होगी। 30 मिनट की मुख्य लीला में भगवान श्रीकृष्ण 20 फीट ऊंचे कदंब के पेड़ पर चढ़ेंगे और गंगा में छलांग लगाकर 22 फीट के कालियानाग का मर्दन करेंगे। इस अलौकिक दृश्य को देखने के लिए देश-विदेश के श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ेगा। लीला देखने के लिए काशीराज परिवार के कुंवर अनंत नारायण सिंह भी पहुंचेंगे। कारीगर बृहस्पतिवार को भी लीला की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। गोस्वामी तुलसीदास के समय से करीब पांच सौ वर्षों से अनवरत चली आ रही नागनथैया लीला की परंपरा शुक्रवार को एक बार फिर जीवंत होगी। इसी दिन भोर में ही श्री संकटमोचन मंदिर के बगीचे में लगे कदंब के वृक्ष की पूजा होगी। इसके बाद कदंब के पेड़ को इस तरह काटा जाएगा कि उस पर चढ़कर भगवान श्रीकृष्ण यमुना रूपी गंगा में कूद सकें। एक पेड़ काटने के एवज में करीब एक हजार पौधे भी लगाए जाते हैं। इसके बाद सुबह ही गंगा में दो बांस गाड़कर उनके सहारे दो कमल पुष्पों के प्रतीक के रूप में पेड़ लगा दिया जाता है। श्रीकृष्ण लीला समिति के अशोक पांडेय ने बताया कि तुलसीघाट पर दोपहर तीन बजे भगवान श्रीकृष्ण की नागनथैया लीला सजेगी। 22 फीट का कालियानाग बनाया गया है। कदंब का पेड़ 20 फीट ऊंचा होगा। लीला में ठीक शाम 4:40 बजे प्रभु कदंब की डाल से कूदेंगे और कालियानाग को नाथकर उसके फन पर नृत्य मुद्रा में बांसुरी बजाते हुए श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। इस लीला को देखने के लिए आसपास के घाटों और गंगा में नावों से भीड़ उमड़ेगी। इस लीला के प्रति लोगों में भक्ति और भाव का ही प्रभाव है कि तुलसीघाट गोकुल और उत्तरवाहिनी गंगा यमुना में बदल जाती हैं। इस लीला में नाविक समाज की भी प्रमुख भूमिका होगी। तुलसीदास द्वारा शुरू की गई 22 दिनों की लीला की परंपरा आज भी कायम है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से लेकर पूतना वध, कंस वध, गोवर्धन पर्वत सहित कई लीलाएं होती हैं। कान्हा की नगरी में दिवाली की अद्भुत छटाः दीपों से जगमग हुआ श्रीकृष्ण जन्मस्थान, रंग-बिरंगी रोशनी में नहाए मठ-मंदिर मथुरा पात्र चयन की चलती रही प्रक्रिया नागनथैया लीला के लिए श्रीकृष्ण के पात्र के चयन की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को भी चलती रही। अशोक पांडेय ने बताया कि लीला के दिन ही चयन के लिए आए बच्चों में से एक का चयन किया जाएगा। चयन के दौरान गंगा में कूदने, सात फन वाले नाग को नाथने और नृत्य मुद्रा में श्रद्धालुओं को दर्शन देने सहित सभी प्रक्रियाओं को निभाया जाता है।



सलमान खान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन

देशभक्ति और बलिदान की कहानी लेकर आए भाईजान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है।

ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है। देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है।

सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। वहीं चित्रांगदा सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री कहानी को भावनात्मक मजबूती देती है। फिल्म की खूबसूरत लोकेशन, सिनेमैटोग्राफी और संगीत भी दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। फिल्म का संदेश है कि युद्ध का परिणाम कभी सुखद नहीं होता। इसमें दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है और इसका असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सैनिकों के परिवारों को भी लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है और इसका निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।

न्यूज़ीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, महज 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

हेनरी के सामने टेके घूटने

पांच मैच की सीरीज में भारत अभी भी 2-1 से आगे

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।



टिम सीफर्ट के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

भारत के खिलाफ वनडे में यह कारनामा करने वाले बने पहले कीवी बल्लेबाज

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही इस मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सीफर्ट न्यूजीलैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में पहले 10 ओवरों में भारत के खिलाफ अर्धशतक तक पहुंचने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, शुरुआती 10 ओवरों में भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रायन यंग के नाम था, जिन्होंने 1999 में 35 गेंदों में 47 रन बनाए थे। सीफर्ट अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 48 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को विल यंग और टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरुआत दी और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 85 रन जोड़े।



विल यंग की शतकीय पारी

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। विल यंग और टिम सीफर्ट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन जोड़े। सीफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 48 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निक केली बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 4 रन बनाकर आउट हुए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आकिब नबी ने 8 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद विल यंग ने फिन एलन संग मिलकर टीम की पारी को संभाला। एलन और यंग ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी की। फिन एलन 30 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली।

कोहली-रोहित जीरो पर आउट

कप्तान अय्यर का भी नहीं खुला खाता, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। टीम के तीन बल्लेबाज पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैट हेनरी ने भारतीय पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को जीरो पर आउट किया। हेनरी की गेंद को रोहित फिन एलन के हाथों में मार बैठे, तो विराट कोहली क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, ओवर की



आखिरी गेंद पर कीवी तेज गेंदबाज ने श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन भेजा। भारतीय टीम ने अपने पहले तीन विकेट स्कोरबोर्ड पर बिना कोई रन लगाए गंवाए। भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है, जब टीम इंडिया ने बिना कोई रन बनाए ही अपने शुरुआती तीन विकेट गंवाए हैं। इसके साथ ही वनडे क्रिकेट में यह महज पांचवां मौका है, जब किसी टीम ने अपने तीन विकेट बिना कोई रन बनाए गंवाए हैं। साल 2010 के बाद यह पहला मौका है, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा एक साथ वनडे क्रिकेट में जीरो पर आउट हुए हैं। इससे पहले, 2010 में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कोहली-रोहित एक ही मैच में जीरो पर आउट हुए थे। ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। वनडे क्रिकेट में यह महज दूसरा मौका है, जब भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट 10 रनों के भीतर गंवाए हैं। इससे पहले, साल 1983 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया ने अपने शुरुआती चार विकेट 10 रनों के अंदर गंवाए थे।

7 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

रनों के लिहाज से टीम इंडिया की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को चौथे वनडे मुकाबले में 244 रनों से हराया। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 89 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम की यह रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार है। वहीं, न्यूजीलैंड ने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत



दर्ज की है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी 5 रन बनाकर काइल जेमिसन का शिकार बने। ईशान किशन ने 27 रनों का योगदान दिया, जबकि अक्षर पटेल 21 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने 21 रन बनाए। आकिब नबी (5 रन) और कुलदीप यादव (1 रन) सस्ते में आउट हुए। न्यूजीलैंड की इस धमाकेदार जीत के सूत्रधार मैट हेनरी रहे, जिन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है। हालांकि, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में बैंक खुले हैं। बैंक ग्राहकों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जिसके कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके ठीक बाद 15 नवंबर को रविवार है, जिससे बैंक लगातार दो दिन अवकाश पर रहेंगे। ऐसे में चेक जमा करने, दस्तावेज जमा कराने या ब्रांच से जुड़े किसी भी जरूरी काम के लिए आज का दिन एक अच्छा मौका है। नवंबर में छुट्टियों का सिलसिला यहीं नहीं थमता। 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर बिहार और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, 20 नवंबर को उत्तराखंड में इगास-बग्वाल, 23 नवंबर को मेघालय में सेंग कुट स्नेम, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर को कर्नाटक में कनकदास जयंती के चलते भी बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। इसलिए बैंक जाने से पहले छुट्टियों की पूरी जानकारी अवश्य जुटा लें।

एनवीडिया में जेनसन हुआंग ने छोड़ा सीईओ पद, कॉलेट क्रेस बनीं अंतरिम प्रमुख

कंपनी ने स्थायी सीईओ की तलाश तक क्रेस को सौंपी कमान

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एनवीडिया में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हुई है। लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे सीईओ जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र की रिपोर्ट के बाद उठे विवादों के बाद यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने तुरंत प्रभाव से अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी है।

रिपोर्ट में जेनसन हुआंग के विवादों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद से ही तकनीकी गलियारों में एनवीडिया को लेकर चर्चा तेज हो गई थी।

यह मामला कई हफ्तों तक बढ़ता रहा, जिस पर कंपनी ने शुरुआत में अपने सीईओ पर पूरा भरोसा जताया था। हालांकि, विवादों के लगातार गहराते देख, जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनवीडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि कंपनी एक स्थायी सीईओ की तलाश करेगी, जो इसके भविष्य के विकास का नेतृत्व कर सके। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के तुरंत बाद, एनवीडिया ने कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की क्रेस, जो सितंबर 2013 से कंपनी की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्यरत हैं, अब यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पास सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में फाइनेंस से जुड़े अहम पदों पर काम करने का 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

पदभार संभालने के बाद कॉलेट क्रेस ने कहा कि वह जेनसन हुआंग द्वारा पिछले 33 वर्षों में बनाई गई मजबूत नींव पर आगे काम करेंगी। उन्होंने एनवीडिया के कर्मचारियों को कंपनी की असली ताकत बताया और कहा कि पूरी टीम मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

मलेशिया का भारत,चीन से सीधी उड़ानें बढ़ाने पर जोर

सरकार ने 2027 के बजट में 93.5 करोड़ रिंगित आवंटित किए

कुआलालंपुर ।

मलेशिया ने भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों को प्रोत्साहन अनुदान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए गए हैं। यह अनुदान अंतरराष्ट्रीय और चार्टर विमानन कंपनियों को चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है; इस साल जनवरी-अगस्त में 9.6 लाख भारतीय पर्यटक आए।

अनुदान का दायरा अब क्रूज जहाजों, फेरी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लाने वाली टूर बसों को भी शामिल करने के लिए बढ़ाया गया है। मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां वर्तमान में मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में उपराष्ट्रपति जिब्रान ने दिया इस्तीफा, गहराया सियासी संकट

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो (जोकोवी) के 39 साल के बेटे जिब्रान के इस फैसले से राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और जोकोवी के बीच राजनीतिक गठबंधन पर संकट गहरा गया है। जिब्रान के सहयोगी बुडी एरी सेतियादी के मुताबिक, उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंप दिया है। जिब्रान की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठने के बाद उनका राजनीतिक संकट बढ़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनका शैक्षणिक समकक्षता प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। वहीं, करीब 120 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग की मांग की है। इस्तीफे के बाद संसद का उच्च सदन खाली पद की घोषणा कर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, प्राबोवो और जोकोवी का गठबंधन टूटने से सरकार की अस्थिरता बढ़ सकती है। जब पहले से ही सरकार आर्थिक नीतियों, निवेशकों के घटते भरोसे और मुफ्त स्कूली भोजन योजना से जुड़े विवादों का सामना कर रही है।

ट्रंप की जांच पर गार्सिया ने व्हाइट हाउस की चेतावनी ठुकराई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की ओवरसाइट समिति के आगामी अध्यक्ष रॉबर्ट गार्सिया ने बुधवार (स्थानीय समय) कहा है कि उन्हें व्हाइट हाउस की तरफ से चेतावनी नहीं मिली है। यह चेतावनी डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों पर संभावित कानूनी कार्रवाई और यूएस कांग्रेस की तरफ से की जाने वाली जांच से जुड़ी है। गार्सिया ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट ट्रंप प्रशासन की जांच से डरेंगे नहीं। उन्होंने जनवरी में समिति का नियंत्रण संभालने पर आक्रामक तरीके से निगरानी का संकल्प भी दोहराया। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने गार्सिया को पत्र भेजकर सांविधानिक सीमाओं से बाहर जांच न करने की चेतावनी दी है। हालांकि, एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि गार्सिया को वह पत्र नहीं मिला है। व्हाइट हाउस के वकील विल शार्फ ने पत्र में सांसदों से सांविधानिक सीमाओं के भीतर जांच करने की अपेक्षा की।

लॉस एंजिलिस सिटी अटॉर्नी चुनी गईं भारतीय मूल की मारिसा रॉय



वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की वकील मारिसा रॉय अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर की सिटी अटॉर्नी चुनी गई हैं। मेयर-इलेक्ट नित्या रमन के साथ ही भारत से जुड़ीं दो महिलाएं अब शहर के तीन प्रमुख निर्वाचित पदों में से दो पर काबिज होंगी। कैलिफोर्निया की डिप्टी अटॉर्नी जनरल रॉय ने पिछले सप्ताह हुए दूसरे चरण के चुनाव में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन मैककिनी को हराया। उनकी मां भारत से अमेरिका आकर बसी थीं। चुनाव प्रचार के दौरान रॉय ने अपने परिवार के प्रवासी अनुभव को प्रमुखता से उठाया था। 'लॉस एंजिलिस टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, रॉय की जीत और जून में दोबारा निर्वाचित हुए फिलिपिनो-अमेरिकी सिटी कंट्रोलर केनेथ मेजिया के साथ अब शहर के तीनों प्रमुख निर्वाचित पदों पर एशियाई-अमेरिकी प्रतिनिधित्व होगा। यह लॉस एंजिलिस के इतिहास में पहली बार है। रॉय ने अखबार से कहा, ''मुझे लगता है कि यह केवल एशियाई-अमेरिकी समुदाय ही नहीं, बल्कि प्रवासी समुदाय के लिए भी एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। एक प्रवासी पृष्ठभूमि की मेयर और एक प्रवासी की बेटी का सिटी अटॉर्नी बनना लॉस एंजिलिस की ओर से यह संदेश है कि वह किस तरह का शहर है।' उन्होंने बताया कि भारत में रह रहे उनके रिश्तेदारों ने चुनाव पर करीबी नजर रखी थीं और जीत के बाद उन्हें व्हाट्सऐप पर बधाई संदेश भेजे। रॉय एशियन डेमोक्रेट्स ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी की संस्थापक बोर्ड सदस्य भी हैं। उनके चुनाव अभियान को कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा और सैन फ्रांसिस्को के सिटी अटॉर्नी डेविड चिउ का समर्थन मिला था।

सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है : मोहन भागवत



नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि सेवा कोई पेशा या आजीविका कमाने का माध्यम मात्र नहीं है, बल्कि समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। करुणा, संवेदनशीलता और मानवता ही एक स्वस्थ समाज की वास्तविक बुनियाद हैं। लोगों को बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने यह बात शुक्रवार को डॉ. संजय पैठणकर को विदर्भ गौरव पुरस्कार प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति से हमारा व्यक्तिगत संबंध हो या न हो, यदि वह किसी परेशानी या दुख में है, तब उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि हम कोई असाधारण काम कर रहे हैं। दूसरों के दुख को समझना और उस दुख को दूर करने का प्रयास करना ही सच्ची मानवता है।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि समाज केवल आर्थिक समृद्धि से मजबूत नहीं बनता, बल्कि उसके अस्तित्व का आधार आपसी संवेदनशीलता और करुणा है। जब तक लोगों में दूसरों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना बनी रहेगी, तब तक समाज मजबूत बना रहेगा। संवेदनशीलता समाप्त होने का अर्थ मानवता का कमजोर होना है। पुरस्कारों के महत्व पर उन्होंने कहा कि समाजसेवा करने वाले लोग सम्मान या पुरस्कार पाने की इच्छा से काम नहीं करते। पुरस्कार उनके योगदान को सम्मानित करने और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए दिए जाते हैं। ऐसे सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने धर्म की अवधारणा को मानवता और भाईचारे से जोड़ते हुए कहा कि सत्य, करुणा, पवित्रता और आत्मसंयम इसके मूल गुण हैं। मानवता और आपसी सद्भाव ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। इस दौरान भागवत ने गुरु और शिष्य का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि गुरु ने शिष्य को ऐसी जगह जाकर फल खाने को कहा, जहां शिष्य को कोई देख न सके। शिष्य बिना फल खाए लौट आया, क्योंकि उसके अनुसार ऐसी कोई जगह नहीं थी, जहां ईश्वर मौजूद न हों। भागवत ने कहा कि जब व्यक्ति दूसरों में भी ईश्वर का स्वरूप देखता है, तब उसके भीतर स्वाभाविक रूप से प्रेम, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित होती है।

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर निकला कुबेर, एसीबी को मिली करोड़ों की दौलत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी में मिली संपत्तियों ने सभी को चौंका दिया है। राज्य सिंचाई विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राघिरी सत्यनारायण के 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। एसीबी को हैदराबाद के कुकटपल्ली में 7 करोड़ का एक आलीशान विला,वानापर्थी में 25 एकड़ कृषि भूमि और फार्महाउस, करीब 50 तोला सोना, और परिवार के सदस्यों के नाम पर कई फ्लैट व प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा सत्यनारायण की पत्नी के नाम पर 9 खुले प्लॉट और हैदराबाद में दो फ्लैट (एक करमनघाट में 3-बीएचके और दूसरा नागोले में 2-बीएचके) भी जांच के दायरे में हैं। छापेमारी के दौरान एसीबी को परिवार के पास 3 से 4 चार-पहिया वाहन और एक दो-पहिया वाहन होने की जानकारी भी सामने आई है। वित्तीय निवेश के रूप में म्यूचुअल फंड और चिट फंड में करीब 20 लाख रुपये और बीमा पॉलिसियों से जुड़ी जानकारी भी एसीबी ने जुटाई है। हालांकि, जांच टीम को कोई बैंक लॉकर नहीं मिला। एसीबी ने सत्यनारायण के पैतृक गांव शापुर, वानापर्थी, हैदराबाद और उनके परिवार व रिश्तेदारों से जुड़े कुल 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। सत्यनारायण ने साल 2005 में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी और वर्तमान में सिंचाई विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी भी बिजली विभाग (ट्रांसको) में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो पता लगाने में जुटी है कि एक सरकारी इंजीनियर की वैध आमदनी के मुकाबले इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जमा हुई। एजेंसी अधिकारी की कुल आय, नौकरी से अर्जित वेतन, निवेश और परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद सभी संपत्तियों का हिसाब जुटा रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, 19-20 नवंबर को तट से टकराने के आसार

● संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर एकमत नहीं मौसम एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है, इससे तटीय राज्यों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, संभावित तूफान 19 या 20 नवंबर के आसपास तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर अभी भी काफी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि अलग-अलग मॉडल भिन्न-भिन्न अनुमान जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूरोपीय मॉडल तूफान को आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं, जबकि अन्य इस चक्रवाती तूफान को बांग्लादेश या म्यांमार की ओर मुड़ने की संभावना जता रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि मध्य अंडमान सागर में बना चक्रवाती परिसंचरण अब दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। उम्मीद है कि 15 नवंबर तक यह दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में अवदाब में तब्दील होगा। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान में कहा गया है कि यह अवदाब के और अधिक मजबूत होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है, लेकिन इसके संभावित मार्ग और तट से टकराने के स्थान को लेकर विभिन्न मौसम मॉडल में एकमत नहीं है। इसकारण आईएमडी ने अभी तक कोई स्पष्ट पूर्वानुमान जारी नहीं किया है और अवदाब बनने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद है। इस बीच, भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा में अगले सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 17-18 नवंबर के आसपास राज्य के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। सोआ के जलवायु एवं पर्यावरण केंद्र (सीईसी) के निदेशक डॉ. शरत चंद्र साहू ने अनुमान जताया है कि यदि यह प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप लेती है, तब 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के कावली से मछलीपट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में 17-18 नवंबर से ओडिशा के गंजाम, गजपति और पुरी जिलों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर के बीच दक्षिण ओडिशा के कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरि, रायगड़ा और गजपति जिलों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, मौसम वैज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, 17 नवंबर के आसपास चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके शुरुआती आकलन में आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के संकेत हैं।

छठ पूजा और भोजपुरी गानों पर सियासी घमासान, राज ठाकरे ने बीजेपी को दी खुली चुनौती

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र में छठ पूजा और भोजपुरी गानों को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को निशाने पर लेकर लगातार तीन पोस्ट किए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी आगामी चुनावों को देखकर महाराष्ट्र में सामाजिक तनाव और मराठी-अमराठी विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने मराठी समाज से बीजेपी की कथित रणनीति में नहीं फंसने की अपील की।

राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़े सोशल मीडिया समूह छठ पूजा को सांस्कृतिक अतिक्रमण के तौर पर पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ रील्स और वीडियो के जरिए लोगों के बीच तनाव फैलाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने का जिक्र कर दावा किया कि मनसे ने इन गानों को बंद करवाया था।

मनसे प्रमुख ने पूरे घटनाक्रम को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी विकास के मुद्दों पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं होती तो समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच विवाद खड़ा करती है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान हिंदू-मुस्लिम और विधानसभा चुनावों के समय जातिगत मुद्दों को हवा देने का भी आरोप लगाया।

राज ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान कबूतरखाने के विवाद का उल्लेख कर कहा कि इसके जरिए गुजराती और मराठी समाज के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने बीजेपी पर महाराष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लगाया। मराठी समाज से अपील कर राज ठाकरे ने कहा कि लोग दूसरों के तय किए राजनीतिक मैदान में उतरकर आपस में न लड़ें। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की गुरिल्ला युद्धनीति का जिक्र कर कहा कि



जवाब कब और कैसे देना है, इसका फैसला महाराष्ट्र के लोग खुद करने वाले है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और गुजराती समाज से भी राजनीतिक स्वार्थ के लिए मराठी लोगों के खिलाफ खड़े नहीं होने की अपील की।

राहुल गांधी के दावों पर अखिलेश को याद आए अमर सिंह... उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही



लखनऊ ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फोन टैपिंग के दावे पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि आज के दौर में कुछ भी संभव है। तकनीक इतनी आसान हो गई है कि किसी का भी फोन टैप हो सकता है। उन्होंने पूर्व सपा नेता अमर सिंह का जिक्र कर कहा कि उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही थी, जो सच साबित हुई थी। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री योगी को कैसे पता चला कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कट गए हैं? चुनाव आयोग ने उन्हें यह जानकारी किस आधार पर दी? अखिलेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी मतदाता सूची में हेराफेरी करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने वोट बचाने में कामयाब रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कटने की बात कही, ताकि समाज में डर का माहौल बन सके। अखिलेश ने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री को यह आंकड़ा कैसे उपलब्ध कराया।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर बिना नाम लिए पलटवार कर अखिलेश ने कहा कि जब बीजेपी को कुछ नहीं सूझता, तब लोगों को भैंस चराने की सलाह दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार आने के बाद से भेदभाव बढ़ा है और उत्तराखंड में भी लोगों को संविधान के तहत उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं।

समाधि के पास ठहाके लगाना पड़ा भारी, अमेरिकी गार्ड ने रोका

रक्षा मंत्री हेगसेथ की टीम को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में वेटरंस डे समारोह के बाद एक ऐसी घटना हुई, जिसने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चर्चा में ला दिया। दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री अपनी पत्नी जेनिफर और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में अज्ञात सैनिक की समाधि के पास तस्वीरें खिंचवाने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके समूह के कुछ सदस्य हंसते और आपस में बातचीत करते नजर आए। वहां तैनात अमेरिकी सेना के एक संतरी ने उन्हें तुरंत टोक दिया और स्मारक की गरिमा बनाए रखने की याद दिलाई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार हुई।



संतरी ने क्या कहकर रोका? : संतरी उस समय स्मारक की निगरानी कर रहा था। समूह के कुछ लोगों को हंसते और बातचीत करते देखकर उसने उन्हें नियमों की याद दिलाई। उसने साफ शब्दों में कहा, 'सभी आगंतुक हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखें।' यह पूरा घटनाक्रम एक वीडियो में भी सामने आया है। इस समूह में हेगसेथ के अलावा उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार एवं डिप्टी असिस्टेंट टैमी राडाबॉ शामिल थे। घटना सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने संतरी की कार्रवाई को सही बताया। उन्होंने कहा कि सैनिक ने स्मारक पर आने वाले लोगों को वहां की गरिमा बनाए रखने की उचित तरीके से याद दिलाई। पार्नेल के मुताबिक, रक्षा मंत्री और पूरा रक्षा विभाग अमेरिकी सैनिकों के बलिदान का हमेशा सम्मान करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस गंभीर दिन को याद करते हुए एक सैनिक ने सभी को मर्यादा बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।'

अज्ञात सैनिक की समाधि इतनी खास क्यों है?: अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में स्थित अज्ञात सैनिक की समाधि अमेरिका के सबसे पवित्र सैन्य स्मारकों में गिनी जाती है। यहां प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए एक ऐसे अमेरिकी सैनिक को अंतिम विदाई दी गई थी, जिसकी पहचान नहीं हो सकी थी। इस समाधि की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिकी सेना की थर्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान संभालते हैं। इसे 'द ओल्ड गार्ड' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1948 से यहां लगातार संतरी तैनात हैं।



स्पेन में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल

सड़कों पर उतरे लाखों लोग

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई। हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की। प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है। किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में हड़ताल का असर एक समान नहीं रहा। राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कई दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

ट्रंप-नेतन्याहू के बीच तीखी बहस का दावा,फोन पर बातचीत चिल्लाने तक पहुंची

ईरान पर कार्रवाई को लेकर उभरे मतभेद

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के खिलाफ युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव की खबरें सामने आई हैं। इस्राइली मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत तीखी बहस में बदल गई। इस दौरान दोनों के बीच ईरान को लेकर अमेरिकी और इस्राइली रणनीति पर मतभेद सामने आए। इस्राइल के समाचार संस्थानों येनेट और येदियोत अहरोनोत की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप पर ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने का दबाव बनाया। वहीं, ट्रंप ने तेहरान के साथ चल रही शांति वार्ता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों नेताओं के बीच किस बात पर मतभेद? : रिपोर्टों के मुताबिक, नेतन्याहू लगातार अमेरिका से ईरान पर फिर हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की दिशा में कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखकर कूटनीतिक बातचीत के जरिए रियायतें हासिल करना चाहते हैं। दोनों मीडिया संस्थानों ने सूत्रों के हवाले से बातचीत को बेहद तीखी बताते हुए इसे 'शाउटिंग मैच फ्रॉम हेल' यानी तीखी बहस कहा। हालांकि, इस्राइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दोनों नेताओं के बीच सप्ताहांत में बातचीत होने की पुष्टि की, लेकिन किसी टकराव से इनकार किया। नेतन्याहू के कार्यालय ने भी बातचीत के दौरान झगड़े की खबरों को खारिज किया। कार्यालय ने इन रिपोर्टों को

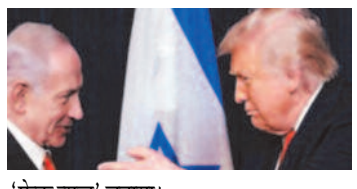

'फेक न्यूज' बताया।

पहले भी फोन पर हुई थी तीखी बातचीत : ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान संघर्ष को लेकर पहले भी फोन पर तीखी बातचीत हो चुकी है। जून में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर असहमति सामने आई थी। उस दौरान ट्रंप ने द पोस्ट से बातचीत में कहा था कि एक फोन कॉल के दौरान उन्होंने नेतन्याहू को अपशब्द बोलते हुए पागल कहा था। फाइनेंशियल टाइम्स ने भी कुछ दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि नेतन्याहू ट्रंप को रोजाना फोन कर ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्तूबर चुनाव के बाद नेतन्याहू की स्थिति पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव में सीटें गंवाने के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ दोबारा हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की मांग जारी रखी है। मंगलवार को 26वीं नेसेट विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के नेतृत्व को बदलना ही उस खतरे को खत्म करने का एकमात्र रास्ता है, जिसे वह तेहरान का आतंक बताने वाली नीति और परमाणु कार्यक्रम से जोड़ते हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'ईरान परमाणु खतरे को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। इस अस्तित्व के खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्ला शासन को हटाना है।'

ट्रंप ने फिर युद्ध शुरू करने से किया इनकार

नेतन्याहू की मांगों के बावजूद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू करने के संकेत नहीं दिए हैं। वह आर्थिक दबाव अभियान जारी रखकर ईरान को बातचीत की मेज पर रियायतें देने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। रविवार को '60 मिनट्स' कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर शुरू करेंगे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच हालिया बातचीत ने ईरान को लेकर उनकी अलग-अलग रणनीतियों को उजागर किया है। नेतन्याहू सैन्य कार्रवाई और सत्ता परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं, जबकि ट्रंप कूटनीति और आर्थिक दबाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कांलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com